संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 02
पृष्ठ 8
बुधवार
17 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नॉनवेज अच्छा नहीं लगता तो खाएं...

विचार- भारत-पाक मैच, भाजपा का नया...

खेल- भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी का...

संत कबीर के नाम पर स्थापित होंगे वस्त्र एवं परिधान पार्क

लखनऊ, संवाददाता। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र में निजी निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए विभिन्न जिलों में वस्त्र एवं परिधान पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है। आज उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पारंपरिक हथकरघा और वस्त्र उत्पादों की समृद्ध धरोहर वाला राज्य है, जिसकी क्षमता का सही उपयोग होने पर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नई पहचान दिलाई जा सकती है। वर्तमान में वस्त्र एवं परिधान का वैश्विक बाजार वर्ष 2030 तक 2.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है और भारत इसमें 8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ते देशों में है। ऐसे परिदृश्य में उत्तर प्रदेश की भागीदारी इस क्षेत्र में निर्णायक सिद्ध हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित योजना को महान संत कबीर के नाम पर समर्पित किया जाएगा। संत कबीर ने अपने जीवन दर्शन में श्रम, सादगी और आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि माना और यही भाव इस योजना का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस योजना के माध्यम से निवेश, उत्पादन और रोजगार के नए अवसरों के साथ–साथ परंपरा और आधुनिकता का संतुलन स्थापित होगा।बैठक में प्रस्तुत विवरण के अनुसार, वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष वस्त्र एवं परिधान निर्यातक राज्यों में शामिल है। वित्त वर्ष 2023–24 में प्रदेश से 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ, जो देश के कुल वस्त्र एवं परिधान निर्यात का लगभग 9.6 प्रतिशत है। इस क्षेत्र का प्रदेश की जीडीपी में 1. 5 प्रतिशत योगदान है, जबकि राज्य में प्रत्यक्ष रोजगार पाने वाले लगभग 22 लाख लोग इससे जुड़े हैं। वाराणसी, मऊ, भदोही, मिर्जापुर, सीतापुर, बाराबंकी, गोरखपुर और मेरठ जैसे पारंपरिक क्लस्टरों ने उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय परिधान मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। अधिकारियों ने बताया कि निवेश सारथी पोर्टल पर अब तक वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र से जुड़े 659 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों के लिए 1,642 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। कुल निवेश मूल्य 15,431 करोड़ रुपये आंका गया है। इसके फलस्वरूप 1,01,768 रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है। प्रत्येक पार्क न्यूनतम 50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा और इनमें प्रसंस्करण उद्योगों के लिए कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना अनिवार्य होगी। बटन, जिपर, लेबल, पैकेजिंग और वेयरहाउस जैसी सहायक इकाइयों के विकास कीव्यवस्था की जाएगी।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निवेश प्रस्तावों को शीघ्र गति से क्रियान्वित करने हेतु भूमि की पहचान और विकास कार्य तेज किया जाए। योजना का क्रियान्वयन सार्वजनिक निजी भागीदारी पीपीपी मॉडल अथवा नोडल एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा ताकि निवेशकों को समयबद्ध और सुगम सुविधाएं प्राप्त हों। सरकार की ओर से पार्कों तक सड़क, विद्युत और जलापूर्ति जैसी आधारभूत सुविधाएं प्राथमिकता पर उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार सृजन को इस योजना का मुख्य लक्ष्य बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर वस्त्र एवं परिधान पार्क योजना न केवल निवेश और रोजगार के नए द्वार खोलेगी बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक वस्त्र एवं परिधान मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान भी दिलाएगी।बैठक में एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री ने पॉवरलूम बुनकरों की उत्पादन लागत कम करने, आय बढ़ाने और परंपरागत वस्त्र उद्योग को नई मजबूती देने के उद्देश्य से बुनकरों के साथ संवाद करने के निर्देश दिए। बुनकर, परिश्रम और परंपरा के प्रतीक हैं। उनके हाथों से बना कपड़ा पूरे विश्व में पहचान रखता है। सरकार बुनकरों की मेहनत का सम्मान करते हुए सस्ती बिजली उपलब्ध करा रही है। बुनकरों से संवाद बनाकर उनकी अपेक्षाओं को जानने और समझने की आवश्यकता है। इस संबंध में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विभाग द्वारा प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। मुख्यमंत्री ने पॉवरलूम को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लिए कार्यवाही के निर्देश दिए।

- **युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार सृजन योजना का लक्ष्य : योगी**
- **निवेश सारथी पोर्टल पर मिले हैं 659 प्रस्ताव, 15,431 करोड़ निवेश और 1 लाख से अधिक रोजगार का अनुमान**

मोदी सरकार का नशा मुक्त भारत का संकल्प

अमित शाह बोले- 2047 तक खत्म होगा खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक द्रव्य निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ कार्रवाई के पैमाने में बदलाव किया जाए ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएँ मिलें। अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने 2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णतः विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तो अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद ज़रूरी है। क्योंकि किसी भी महान राष्ट्र की संकल्पना, उसकी नींव उस देश की युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खोखली हो जाएँगी, तो देश भटक जाएगा... दुर्भाग्य से, वे दोनों क्षेत्र जहाँ से दुनिया भर में नशे की आपूर्ति होती है, हमारे नज़दीक ही हैं... इसलिए यही समय है कि हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ें। शाह ने कहा कि तीन तरह के कार्टेल होते हैं, एक वो कार्टेल जो देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर काम करता है, दूसरा वो कार्टेल जो एंट्री पॉइंट से राज्य तक डिस्ट्रीब्यूशन का कार्टेल है और तीसरा वो कार्टेल जो राज्यों में पान की दुकान या गली के नुक्कड़ पर ड्रग्स बेचने तक काम करता है। इन तीनों तरह के कार्टेल्स पर कड़ा प्रहार करने का समय आ गया है। मेरा मानना घ्है कि ऐसा तभी हो सकता है जब यहां बैठे लोग तय कर लें कि ये लड़ाई हमारी लड़ाई है। अमित शाह ने कहा कि भगोड़ों का निर्वासन और प्रत्यर्पण, ये दोनों ही बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं। अब समय आ गया है कि जो लोग विदेश में बैठकर यहाँ नशे का कारोबार कर रहे हैं, उन्हें हमारे कानून के दायरे में लाया जाए। सीबीआई ने इसमें बहुत अच्छा काम किया है।

IRCTC पर अब आम यात्री को पहले मिलेगी टिकट, 1 अक्टूबर से नया नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 अक्टूबर से, रेल मंत्रालय किसी भी ट्रेन के लिए बुकिंग खुलने के बाद पहले 15 मिनट के दौरान केवल आधार–प्रमाणित उपयोगकर्ताओं को ही प्ब्ज्ब् की वेबसाइट या ऐप के माध्यम से आरक्षित सामान्य टिकट बुक करने की अनुमति देगा। वर्तमान में, यह प्रतिबंध केवल तत्काल बुकिंग पर लागू है। मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि आरक्षण प्रणाली का लाभ आम उपयोगकर्ता तक पहुँचे और बेईमान तत्वों द्वारा इसका दुरुपयोग न हो, यह निर्णय लिया गया है कि 1 अक्टूबर 2025 से, सामान्य आरक्षण खुलने के पहले 15 मिनट के दौरान, केवल आधार–प्रमाणित उपयोगकर्ता ही भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम की वेबसाइट/इसके ऐप के माध्यम से आरक्षित सामान्य टिकट बुक कर सकेंगे। मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि 15 मिनट के बाद, अधिकृत टिकट एजेंटों को ऑनलाइन आरक्षण बुक करने की अनुमति होगी। सर्कुलर में कहा गया है, हालांकि, भारतीय रेलवे के कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों के माध्यम से सामान्य आरक्षित टिकटों की बुकिंग के समय में कोई बदलाव नहीं होगा। इसमें आगे कहा गया है, सामान्य आरक्षण खुलने के 10 मिनट के प्रतिबंध के समय में भी कोई बदलाव नहीं होगा, जिसके दौरान भारतीय रेलवे के अधिकृत टिकट एजेंटों को पहले दिन आरक्षित टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रेल मंत्रालय ने पहले ही काउंटर से सामान्य आरक्षण बुक करने के लिए एजेंटों पर 10 मिनट का प्रतिबंध लगा दिया है। एक अधिकारी ने कहा, सर्कुलर में उक्त प्रतिबंध बरकरार रखा गया है। सर्कुलर में कहा गया है कि सीआरआईएस और आईआरसीटीसी सभी क्षेत्रीय रेलवे के साथ–साथ इस कार्यालय को सूचित करते हुए सिस्टम में आवश्यक संशोधन करेंगे। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, इससे पहले, हमने एक सर्कुलर जारी किया था जिसमें तत्काल बुकिंग के लिए 15 मिनट का प्रतिबंध लगाया गया था। उस आदेश के लाभों को ध्यान में रखते हुए, अब हमने इस सुविधा को सामान्य आरक्षण बुकिंग पर भी लागू करने का निर्णय लिया है।

बिहार में पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर 'चलो जीते हैं' का विराट प्रदर्शन

पटना, एजेंसी। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में प्रधानमंत्री के बचपन पर आधारित फिल्म 'चलो जीते हैं' का प्रदर्शन करेगी। फिल्म प्रदर्शन के अलावा, समारोह में दो सप्ताह तक चलने वाला 'सेवा पखवाड़ा' भी शामिल होगा, जिसमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों पर प्रदर्शनियाँ और विभिन्न सार्वजनिक चर्चाएँ शामिल होंगी। प्रदर्शनों के लिए, पार्टी ने एलईडी स्क्रीन से लैस 243 वाहन तैयार किए हैं, जिनमें से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक वाहन आवंटित किया गया है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को पटना में इन वाहनों को हरी झंडी दिखाई। केंद्रीय मंत्री ने ध्वजारोहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एलईडी लाइटों से सुसज्जित लगभग 243 वाहनों पर हम प्रधानमंत्री मोदी के बचपन पर आधारित फिल्म श्चलो जीते हैंश दिखाएंगे। यह सिर्फ़ एक फिल्म नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री के बचपन की हकीकत है। उन्होंने गरीबी देखी है, अपनी माँ को दूसरों के घरों में बर्तन धोते और कड़ी मेहनत करते देखा है। वह गरीबों का दर्द समझते हैं; गरीबों का दर्द आज भी प्रधानमंत्री के दिल में है।

गोरखपुर में पशु तस्करों के जुल्म से बवाल

NEET छात्र की हत्या के बाद हिंसक प्रदर्शन, योगी बोले- दोषियों को बख्शेंगे नहीं

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के मऊचापी गाँव में पशु तस्करों ने 19 वर्षीय NEET अभ्यर्थी दीपक गुप्ता की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद हिंसक प्रदर्शन, पथराव और सड़क जाम हो गया। इस घटना में एसपी नॉर्थ जितेंद्र श्रीवास्तव और पिपराइच थाना प्रभारी पुरुषोत्तम आनंद सिंह घायल हो गए। गोरखपुर के एसएसपी राज करण नय्यर ने बताया कि घटना सोमवार रात करीब 12:30 बजे पिपराइच थाना क्षेत्र के मऊचापी गाँव में हुई। तस्कर तीन वाहनों से पहुँचे; दीपक समेत ग्रामीणों ने मवेशियों को खोलते समय उनका विरोध किया। तस्करों ने दीपक का अपहरण कर लिया, उसे एक घंटे तक घुमाया, उसका सिर कुचल दिया और शव को 4 किमी दूर फेंक दिया। राज करण नय्यर ने बताया कि हमें सुबह करीब 3रू00 बजे सूचना मिली कि पशु तस्कर दो पिकअप वैन लेकर एक गाँव में आए हैं। इस दौरान जब ग्रामीणों ने उनका पीछा किया तो एक गाड़ी गाँव में फंस गई, जिससे उसके लोग भाग गए। गाँव के ही एक युवक ने दूसरी गाड़ी का पीछा किया, तस्कर उसे अपनी गाड़ी में डालकर ले गए और बाद में उसे गाड़ी से धक्का दे दिया। जिससे उसके सिर में चोट लग गई और सड़क पर गिरने से उसकी मौत हो गई। परिजनों की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार सुबह प्रदर्शनकारियों ने गोरखपुर–पिपराइच मार्ग जाम कर दिया; चार थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात कर दी गई। एसएसपी राज करण नय्यर ने मुकदमा दर्ज कर लिया है; पाँच टीमें आरोपी तस्करों की तलाश में जुटी हैं। एक तस्कर को ग्रामीणों ने पकड़कर पीटा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि दीपक की मौत गोली लगने से नहीं हुई। एसएसपी राज करण नैय्यर ने कहा, ष्इसमें गोली लगने के कोई निशान नहीं मिले हैं। हमारी पांच टीमें फिलहाल इसमें लगी हुई हैं। हमारी टीमें जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगी। गांव में तलाशी अभियान चल रहा है। एक पशु तस्कर को ग्रामीणों ने पकड़कर पीटा है। उसका इलाज चल रहा है... इस दौरान एक पुलिसकर्मी को पत्थर लगा है। उसका इलाज चल रहा है। परिवार की मांग है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। गुस्साए ग्रामीणों ने गोरखपुर–पिपराइच मार्ग जाम कर दिया; झड़प में एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए; डीएम दीपक मीणा समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। गोरखपुर के डीएम दीपक मीणा ने घटना को दुखद बताते हुए कहा, यह एक दुखद, दर्दनाक घटना है और इसमें पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। टीमें लगातार घूम रही हैं और हम जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इसके अलावा, परिवार की जो भी मांगें थीं, उन्हें बताया गया है कि जो भी राशि और सहायता राशि स्वीकृत होगी, वह उन्हें मिलेगी। इसके अलावा, स्थानीय स्तर पर हम परिवार को जो भी मदद दे सकते हैं, उसके बारे में हमने उनसे बात की है। अभी प्राथमिकता यह है कि हम पोस्टमॉर्टम करवाएँ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना के संबंध में निर्देश जारी किए हैं, जिसके बाद जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुँच गए। सभी वरिष्ठ अधिकारी पीड़ित परिवार से बातचीत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी के निर्देशानुसार दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जेडीएस का कांग्रेस पर पलटवार: राहुल को ईवीएम पर संदेह है तो सिद्धारमैया इस्तीफा दें और फिर चुनाव कराएं

नई दिल्ली, एजेंसी। जनता दल (सेक्युलर) के नेता निखिल कुमारस्वामी ने मंगलवार को कर्नाटक कांग्रेस के श्मेरा वोट मेरा अधिकारश अभियान के दौरान राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों की आलोचना की और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर भरोसे पर सवाल उठाया। पत्रकारों से बात

करते हुए, कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर प्रणाली को ज़्यादा पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जिस वोट चोरी की बात कर रहे थे, उन्हें ईवीएम पर भरोसा नहीं है और अब वे बैलेट पेपर प्रणाली पर वापस जाना चाहते हैं। लेकिन जब यूपीए सरकार बनी थी, तब बैलेट पेपर का इस्तेमाल नहीं होता था; तब भी ईवीएम ही थी। जेडी(एस) नेता ने कर्नाटक सरकार पर और निशाना साधते हुए कहा कि अगर ईवीएम पर संदेह बना रहता है तो मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को इस्तीफा दे देना चाहिए। कुमारस्वामी ने कहा, ष्इस बार विधानसभा में कांग्रेस को राज्य में लगभग 136 सीटें मिलीं और कांग्रेस ईवीएम पर संदेह कर रही है। अगर ऐसा है, तो कांग्रेस और मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए और हमें नए सिरे से चुनाव कराना चाहिए।ष कर्नाटक में वोट चोरी को लेकर नया विवाद तब शुरू हुआ जब सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर विधान सौध में श्मेरा वोट मेरा अधिकारश अभियान शुरू किया।

अब और मोहलत नहीं! महाराष्ट्र निकाय चुनाव में देरी पर एससी खफा, कहा– 2026 तक कराएं मतदान

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को राज्य में 31 जनवरी, 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा, शीर्ष अदालत ने राज्य के अधिकारियों को 10 अक्टूबर तक परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पारित किया। शीर्ष अदालत ने राज्य चुनाव आयोग पर 6 मई को स्थानीय निकाय चुनावों की घोषणा चार सप्ताह के भीतर करने और चार महीने के भीतर चुनाव कराने के स्पष्ट आदेश के बावजूद तुरंत कार्रवाई न करने के लिए असंतोष व्यक्त किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा, क्या चुनाव पहले ही हो चुके हैं? उन्होंने मई के उस आदेश का हवाला दिया जिसमें चार महीने के भीतर चुनाव कराने का आदेश दिया गया था। महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कहा कि प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि परिसीमन पूरा हो चुका है और राज्य चुनाव आयोग कुछ अतिरिक्त समय मांग रहा है, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में एक अंतरिम आवेदन भी दायर किया गया है।

विकास नहीं विनाश कर रहा मास्टर प्लान, हरिद्वार में फूटा व्यापारियों का गुस्सा

हरिद्वार, एजेंसी। राज्य व्यापार मण्डल (रजि0) उत्तराखंड द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें कॉरिडोर, मास्टर प्लान के नाम पर तोड़–फोड़ बस अड्डा, जहान्वी मार्किट शिफ्टिंग को लेकर व्यापारियों ने अपना विरोध दर्ज किया। प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र चौटाला ने कहा की पिछले दो तीन वर्षो से शासन–प्रशासन द्वारा व्यापारियों में एक भय का माहौल बना दिया है ना जाने कब प्रशासन व्यापारियों को बेरोजगार कर देगा, किसी भी प्रकार की तोड़ फोड़ या विस्थापन होने पर अब व्यापारी चुप नहीं बैठेगा, यदि शासन प्रशासन ने अपनी नीति स्पष्ट नहीं की तों व्यापारी आने वाले सावन मेले एवम कुम्भ मेला में प्रशासन का सहयोग नहीं करेगा। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सुमित अरोड़ा ने कहा की विकास के नाम पर विनाश नहीं होने देंगे, व्यापारियों कई वर्षो तक मेहनत कर अपना व्यापार स्थापित करता है अपना परिवार चलता है और वहीं शासन के जिम्मेदार अधिकारी चंद मिनटों में उसे उजाड़ने की योजना बना देते है जो व्यापारी हरकी पौड़ी में व्यापार कर रहा है वह अन्य स्थान पर व्यापार कैसे करेंगा, जो क्षेत्र पर्यटन विहीन है वहां व्यापारी किसी भी कीमत पर शिफ्ट नहीं होगा, शासन–प्रशासन को व्यापारियों की पीड़ा समझनीं चाहिए, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय प्रजापति व प्रदेश महामंत्री अतुल गोसाई ने कहा कि सरकार व्यापारियों को उजाड़ने का षड्यंत्र कर रही है यहाँ के मूल निवासियों को उजाड़ा जा रहा है वहीं मेला लैंड पर बहारी क्षेत्रों से आये लोगों को संरक्षण दिया जा रहा अगर अभी भी सरकार नहीं जागी तों हरिद्वार से पूरे प्रदेश में निर्णायक आंदोलन होगा।

संदिग्ध परिस्थिति में टेक्नीशियन की मौत

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के बेनीगंज में किराए पर रहने वाले टेक्नीशियन 36 वर्षीय आशीष कुमार का सोमवार की देर रात कमरे में संदिग्ध हालत में शव मिला। शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस को भेज दिया। प्रथम दृष्टया हृदयघात से मौत होने की आशंका है। फूलपुर के आशीष कुमार की पत्नी और बच्चे चमरू गांव में रहते हैं। जबकि, आशीष पिछले कई महीने से करेली में रहकर टावर के टेक्नीशियन का काम करता था। वह सोमवार को कमरे में बेसुध पड़ा मिला। मकान मालिक व आसपास के लोग उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि मृतक के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं है। मकान मालिक की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

24 व 25 सितंबर को चलेगा टीकाकरण अभियान

प्रयागराज। महिलाओं में एचपीवी के संक्रमण से होने वाले सर्वाइकल कैंसर के बढ़ते मामले के दृष्टिगत जनपद प्रयागराज में आकांक्षा समिति व रोटरी क्लब की ओर से एक साथ मिलकर एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है स इस बारे में डॉ. अंकिता राज ने सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी बेन को जानकारी दी। डॉ. अंकिता राज ने बताया कि आकांक्षा समिति इस मुहिम को आगे बढ़ाने में कार्य कर रही है और इसके लिए 24 व 25 सितंबर को दो दिवसीय विशेष कैम्प लगाकर एचपीवी टीकाकरण कराया जाएगा। दो दिवसीय कैंप में दो हजार बच्चियों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है स उन्होंने कहा कि इस अभियान को धीरे–धीरे प्रमोट कर आगे बढ़ाया जाएगा और जनपद की नौ से 14 वर्ष आयु वर्ग की सभी बच्चियों का टीकाकरण कराकर जनपद को संतृप्त किया जाएगा स इस अभियान में सामाजिक स्वयं सेवी संगठनों की भी मदद ली जाएगी।

पलभर में साइबर शातिर ने व्यापारी के खाते से 7.07 लाख उड़ाए

प्रयागराज। यदि आपके वाट्सएप पर अनजान नंबर से ई–चालान की पीडीएफ फाइल आएं, तो इसे बिल्कुल भी अपलोड न करें। कहीं ऐसा न हो कि इसे क्लिक करते ही आपके बैंक खाते से रुपये निकल जाएं। साइबर अपराधियों ने डॉट एपीके वाली फर्जी ई–चालान भेजकर लोगों को ठगने का काम शुरू किया है। शहर के करेली के एक व्यापारी के दो बैंक खाते से पलभर में 7.07 लाख रुपये उड़ा दिए गए। साइबर पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। करेली के निहालपुर निवासी गोविंद पाल का वाटर सप्लाई का कारोबार है। गोविंद ने बताया कि नौ सितंबर को अनजान नंबर से वाट्सएप पर ई–चालान मिला। इसे डाउनलोड करने के दो बाद 11 सितंबर की दोपहर अचानक उनका मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद चार बार में एचडीएफसी और यस बैंक के खाते से 4.07 लाख रुपये कट गए। यही नहीं पलभर में ही तीन लाख रुपये का लोन भी पास कराकर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर लिया गया। गोविंद ने बताया कि वह दोनों बैंक की शाखा सिविल लाइंस गए। इसके बाद हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दी। बैंक से मिली जानकारी से पता चला कि रविशंकर नाम से बंधन बैंक शाखा मुंबई के खाते में रुपये भेजे गए हैं। उधर, साइबर थाना पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

सेंटर आफ एक्सीलेंस में हर वर्ष तैयार होंगे 50 हजार फलदार पौधे

प्रयागराज। कौशाम्बी के कोखराज में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण करीब दस हेक्टेयर भूमि में किया गया है। सेंटर में उद्यान विभाग की ओर से फलदार पौधों को रोपित करने की तैयारी चल रही है। आम और अमरूद की बागवानी के साथ ही कौशाम्बी में केले की खेती भी बड़े स्तर पर की जाती है। इसी को देखते हुए उद्यान विभाग और इजराइल के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तकनीक का निर्माण किया गया है। उद्यान विभाग के मुताबिक सेंटर में हर साल करीब 50 हजार फलदार पौधे तैयार किए जाएंगे। अत्याधुनिक खेती और बागवानी के मामले में इजराइल अन्य देशों के मुकाबले आगे है। वर्तमान में इजराइल की मदद से इस तकनीक को देश में बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में कौशाम्बी के कोखराज में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण किया गया है। इसमें हाईटेक नर्सरी, पॉली हाउस, नेट हाउस समेत अन्य व्यवस्थाएं मौजूद होंगी। खुसरोबाग के उद्यान प्रभारी वीके सिंह ने बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फलदार पौधों की खेप नर्सरी में तैयार की जाएगी। यह ऐसे पौधे होंगे जिनमें रोगों से लड़ने की क्षमता आम पौधों से अधिक होगी। यह पौधे उच्च गुणवत्ता में शामिल होगे।

हिन्दी दिवस पर सम्मानित हुए डॉ. अमित मालवीय

प्रयागराज। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र, झूंसी में हिंदी दिवस पर हिंदी भाषा और विकसित भारत का संकल्प विषय पर ज्ञानोत्सव के रूप में गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय केंद्र के अकादमिक निदेशक प्रो. अखिलेश कुमार दुबे ने की। प्रोफेसर दुबे ने कहा कि हम कौन थे, क्या हो गए और क्या होंगे। हिंदी ने भारत की विविध भाषाओं के बीच सेतु का कार्य करते हुए राष्ट्रीय एकता और समरसता को बढ़ावा दिया है। हिंदी ने न केवल भारत का नेतृत्व भाषा के रूप में किया है, बल्कि यह देश की सांस्कृतिक आत्मा और सामाजिक सामंजस्य की कड़ी बनकर उभरी है। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे के डॉ. अमित मालवीय रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंदी का विरोध इसलिए होता है क्योंकि हिंदी लगातार आगे बढ़ रही है। भारत के किसी भी कोने या राज्य में जाएं, वहां हिंदी की उपस्थिति और समझ आपको सहज ही मिलती है। हिंदी दिवस के अवसर पर डॉ. आशा मिश्रा, डॉ. यशार्थ मंजुल, डॉ. विजया सिंह, डॉ. विश्वजीत नारायण, डॉ.अश्विनी कुमार सिंह, हिंदी दिवस और विकसित भारत का संकल्प विषय पर अपना वक्तव्य रखा। इसके पूर्व अतिथियों द्वारा सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। केंद्र के अकादमिक निदेशक ने डॉक्टर अमित मालवीय समेत अन्य अतिथियों को विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह, शॉल और सूत की माला देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार अनुवाद विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सत्यवीर ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन समाजकार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथिलेश तिवारी ने किया। इस अवसर पर जयेंद्र जायसवाल, राहुल त्रिपाठी, गीता देवी, देवमूर्ति द्विवेदी, बिरजू प्रसाद, जगजीवन राम प्रजापति, रोहित पीतांबर, अभिषेक चंद्रा, रश्मि, प्रत्यूष शुक्ल, उमेश शर्मा, राजकुमार यादव , मंजरी कुशवाहा , दीक्षा द्विवेदी, श्वेता पाण्डेय, अनन्या शुक्ला, प्रशांत पाण्डेय, प्रभात मिश्रा, खुशबू सिंह, दीपेश कुमार सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

मेहनत पर भारी बाजार, मायूस आलू किसानों को अब सिर्फ बारिश की आस

प्रयागराज। मऊआइमा सोरांव और फूलपुर तहसील समेत पूरे प्रदेश के आलू किसानों के लिए यह सीजन आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। गोला और जी–फोर जैसी प्रमुख प्रजातियों की बोआई से लेकर कोल्ड स्टोरेज तक पहुंचाने की कुल लागत जहां 1200 से 1300 प्रति क्विंटल के बीच बैठ रही है, वहीं बाजार में इनका भाव 750 से 1100 तक ही सीमित है। ऐसे में किसानों को भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। उत्पादन लागत में लगातार बढ़ोतरी, स्टोरेज शुल्क और परिवहन व्यय के कारण कुल खर्च काफी अधिक हो गया है। यही वजह है कि जब तक आलू का भाव ठीक–ठाक नहीं बढ़ेगा किसानों को नुकसान की भरपाई कर पाना मुश्किल ही होगा।

अब किसानों को सितंबर में बारिश बढ़ने और सब्जियों की आपूर्ति घटने और नई बोआई में देरी होने से ही आलू के दाम सुधार की उम्मीद है। ऐसा न हुआ तो किसानों को चौतरफा मार झेलनी पड़ जाएगी। आलू की खेती करने वाले किसान इस वर्ष घाटे की मार झेल रहे हैं। बोआई से लेकर कोल्ड स्टोरेज तक पहुंचाने की लागत 1200 से 1300 प्रति क्विंटल बैठ रही है, जबकि गोला प्रजाति के आलू की बिक्री कोल्ड स्टोरेज में महज 700 से 750 के बीच हो रही है। इससे किसानों को हर क्विंटल पर 500 तक का सीधा नुकसान हो रहा है। किसानों के मुताबिक गोला प्रजाति के आलू की बोआई, सिंचाई, खाद, मजदूरी आदि में 600 प्रति क्विंटल की लागत आती है। वहीं खेत से निकालने, ढुलाई, स्टोरिंग और मजदूरी आदि में भी लगभग 600 और खर्च हो जाते हैं। यानी कुल मिलाकर लागत 1200 से 1300 प्रति क्विंटल के बीच बैठती है। लेकिन कोल्ड स्टोरेज में यह आलू 700 से 750 में बिक रहा है। ऐसे में जो किसान इसे स्टोर कर बेहतर रेट की उम्मीद लगाए बैठे थे, उन्हें अब भारी घाटे का सौदा झेलना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि उत्पादन लागत में लगातार बढ़ोतरी, स्टोरेज शुल्क और परिवहन व्यय के कारण कुल खर्च काफी अधिक हो गया है। इसके विपरीत, बाजार में मांग कमजोर है और व्यापारी वर्ग का नियंत्रण अधिक दिखाई देता है, जिससे भाव उम्मीद से नीचे हैं। किसानों और कृषि विशेषज्ञों की राय है कि सरकार को आलू जैसी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी तय

करना चाहिए, ताकि किसान को कम–से–कम अपनी लागत तो मिल सके और भाव का संकट हर साल दोहराया न जाए। जी–फोर प्रजाति में 300 का घाटा, अब भी 200 रुपये पीछे दूसरी ओर, जीफोर प्रजाति के आलू की खेत में लागत लगभग 700 बैठती है और कोल्ड स्टोरेज तक लाते–लाते यह बढ़कर 1300 प्रति क्विंटल तक पहुंच जाती है। अभी इसका बाजार भाव 1100 से 1150 चल रहा है, जिससे यदि उत्पादन सामान्य रहा हो तो किसान को 300 से 350 प्रति क्विंटल का घाटा लग रहा है। यानी जितनी अधिक पैदावार हुई है घाटा भी उतना ज्यादा झेलना पड़ रहा है। कुछ दिन पहले दाम 1050 तक पहुंच गया था, जो बढ़कर अब 1150 पहुंचा है। अगर बारिश ज्यादा दिन हुई तो दाम में बढ़ोतरी की उम्मीद है। अब मौसम पर टिकी हैं उम्मीदें किसानों को अब उम्मीद है कि सितंबर में बारिश अधिक होने और सब्जियों की पैदावार घटने और बोआई में देरी होने पर आलू के दाम बढ़ सकते हैं। फिलहाल वे इसी आस में बैठे हैं कि स्टोर में रखा आलू कुछ बेहतर रेट दे सके। हालांकि इस समय भी फुटकर आलू 25 से 30 रुपये प्रति किलो बिक रहा है लेकिन अन्नदाता को बमुश्किल सिर्फ 11 रुपये मिल रहे हैं। आधे से अधिक दाम व्यापारियों और बिचौलियों के पास जा रहा है। व्यापारियों पर भाव कंट्रोल का आरोप किसानों का आरोप है कि पिछले साल तक लगभग 35 फीसदी आलू व्यापारियों के पास था, जिससे वे दाम तय कर लेते थे। लेकिन इस बार अधिकतर किसानों ने उम्मीद में खुद ही आलू स्टोर कर लिया, जिससे व्यापारियों के पास सिर्फ 5–10 प्रतिशत ही आलू गया। अब व्यापारी मनमाने तरीके से बाजार को नियंत्रित कर रहे हैं और दाम गिरा दिए गए हैं। चिप्स बनाने की फैक्ट्री बन सकती है किसानों की नई उम्मीद किसानों का कहना है कि हर बार इस घाटे को किस्मत मानकर बैठ जाना ही विकल्प नहीं है। बदलते समय के साथ अब किसानों को अपनी फसल को सीधे बाजार में बेचने की बजाय उसका मूल्य संवर्धन करने की ओर सोचना होगा। इस दिशा में आलू प्रोसेसिंग यूनिट, खासतौर पर चिप्स बनाने की फैक्ट्री एक बेहतर उपाय हो सकता है। गांव स्तर पर ही आलू से चिप्स, वेफर्स या फ्रेंच फ्राइज बनाने की यूनिट लगाए जा सकते हैं। इसकी जरूरी मशीनें आलू छीलने वाली, काटने वाली, तलने वाली और पैकिंग यूनिट आसानी से बाजार में उपलब्ध हैं। इस तरह की फैक्ट्री ना केवल किसानों को आलू के गिरते दामों से बचाएगी, बल्कि उनकी उपज को एक स्थायी आमदनी का जरिया भी बना सकती है। जरूरत सिर्फ पहल करने की है। सरकार युवाओं को प्रोत्साहित करे किसानों को दाम मिलने के साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। बोले जिम्मेदार, सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करने और आय बढ़ाने का काम कर रही है। किसानों की हर छोटी–बड़ी समस्या को उचित पटल पर रखा जाएगा। विभाग के मंत्रालय से लगातार संवाद स्थापित कर उन्हें किसानों की वास्तविक परिस्थितियों और कठिनाइयों से अवगत कराया जाएगा, ताकि समय रहते ठोस समाधान निकल सके। क्षेत्रीय लोगों और प्रदेशवासियों को हरसंभव सहुलियत उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए शासन स्तर से निरंतर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि किसानों को उनकी मेहनत का सही मूल्य मिले, कृषि उत्पादन लागत कम हो और उनकी आय में वास्तविक बढ़ोतरी हो। किसानों के हितों की रक्षा करना और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कृ सुरेन्द्र चौधरी, एमएलसी सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा तो किया था, लेकिन आलू और टमाटर जैसी फसलों की मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें उत्पादन लागत भी अपनी जेब से उठानी पड़ रही है। ऐसे हालात में ज़रूरी है कि आलू का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाए। स्थानीय स्तर पर प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की जाए और सरकार किसानों की पैदावार का उचित मूल्य सुनिश्चित करने की ठोस पहल करे। यह मांग सरकार के सामने रखी जाएगी और क्षेत्र में चिप्स, सॉस, अचार जैसे उत्पादों के लिए फैक्ट्री लगाने की योजना पर बल दिया जाएगा, ताकि किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य मिल सके और स्थानीय युवाओं को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हों। इम्तियाज समी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मऊआइमा

आलू किसान बोआई का रकबा घटाएं और उसकी जगह दूसरी फसलें लें। इससे आलू की पैदावार कम होगी तो दाम भी बेहतर मिलेंगे। दृ राकेश कुमार पटेल, चकश्याम किसानों को चाहिए कि आलू का उत्पादन घटाएं। जब मांग ज्यादा और माल कम होगा तो दाम कई गुना तक बढ़ सकते हैं। कम मेहनत में ज्यादा फायदा मिलेगा। दृ रामपाल पटेल, क्षमा का पूरा आलू जैसी सब्जियों पर भी न्यूनतम समर्थन मूल्य तय होना चाहिए, जैसे गेहूं और धान पर मिलता है। इससे किसानों को नुकसान से बचाव होगा और उपज का पक्का दाम मिलेगा। दृ राणा प्रताप सिंह, हिछवापुर किसानों से आलू की खरीद की जिम्मेदारी एफसीआई जैसे निकाय को दी जानी चाहिए। अभी मंडियों में आढ़तियों की मनमानी चलती है और किसान अपनी मेहनत का सही दाम नहीं पाते। दृ जगदंबा पटेल, गहरपुर मलकिया हर मंडी में डिजिटल रेट बोर्ड होना चाहिए, ताकि किसान ऑनलाइन दाम देख सकें। भाव छुपाने या धोखाधड़ी करने वाले व्यापारियों पर कार्रवाई हो। देशभर में आलू की एक समान कीमत तय होनी चाहिए। दृअशोक कुमार पटेल छमा का पूरा मऊआइमा गांवों में आलू चिप्स, फ्रेंच फ्राइज और स्टार्च बनाने की प्रोसेसिंग यूनिट लगाई जाएं। इससे सीजन के बाद भी मांग बनी रहेगी, किसानों को उचित दाम मिलेगा और युवाओं को रोजगार भी। दृ कामरान अहमद, सराय सुल्तान फुटकर बाजार में आलू 25 रुपये किलो बिक रहा है, लेकिन किसानों को 1100 रुपये क्विंटल और व्यापारी स्टोर से निकालकर 1400 रुपये क्विंटल कमा रहे हैं। यह असमानता खत्म होनी चाहिए। – अनिल यादव, कटरा दयाराम मऊआइमा हर साल किसान दाम की अनिश्चितता से परेशान रहते हैं। बीज, खाद, सिंचाई और मजदूरी पर खर्च करने के बाद फसल बाजार और किस्मत पर निर्भर हो जाती है। सरकार को इस समस्या पर ध्यान देना जरूरी है। –राममूरत यादव, किसान

फाफामऊ पुल मरम्मत, भीषण जाम में घंटों परेशान हो रहे लोग

प्रयागराज। फाफामऊ पुल का दस सितंबर से मरम्मत कार्य चल रहा है। सिर्फ दोपहिया वाहनों को ही पुल से आवागमन की छूट दी गई है। हालांकि पुल से गुरजना आसान नहीं है। प्रतिदिन सुबह और शाम मात्र एक किमी पुल को पार करने में लोगों को भीषण जाम की दुश्वारियां झेलनी पड़ रही है। फाफामऊ पुल के दोनों छोर पर भीषण जाम की वजह से दस मिनट का रास्ता पार करने में एक घंटे का समय लग रहा है। फाफमऊ पुल की मरम्मत की वजह से बैरिकेडिंग के बीच कम जगह होने से सुबह लगभग साढ़े नौ बजे दोपहिया वाहनों का जाम लग गए। यातायात पुलिसकर्मियों की संख्या फाफामऊ पुल पर अपेक्षाकृत कम होने से जाम विकट हो गया है। पहले निकलने के चक्कर में एकबारगी आवागमन पूरी तरह ठप हो जाती है। पुल पर मंगलवार की सुबह भी ऐसा ही नजारा देखने को

मिला। यातायात पुलिस की अतिरिक्त टीम ने पहुंचकर एक घंटे के अथक प्रयास कर आवागमन सुचारू कराया। जाम की हालत देखकर फाफामऊ से शहर की ओर आ रहे काफी संख्या में लोग वापस अपने घरों को लौट गए।

जाम की वजह से पुल से गुजरने वाले छात्र, अधिवक्ता और सरकारी व निजी कर्मचारियों को विलंब से पहुंचना पड़ा। उधर, एडीसीपी यातायात कुलदीप सिंह ने बताया कि पुल पर दोपहिया वाहन को छूट दी गई है। लेकिन, कम जगह होने के बावजूद सुबह पहले निकलने की होड़ की वजह से जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है।

जिले में खाद के संकट को लेकर एडीएम को दिया ज्ञापन

प्रयागराज। कलेक्ट्रेट में सोमवार को बीजेपी के किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष काशी क्षेत्र के प्रवीण श्रीवास्तव ने खाद की समस्या को लेकर एडीएम को ज्ञापन दिया है। इसमें बताया कि जिले में खाद के संकट से किसान जूझ रहे है। मौजूदा समय में धान की खेती करने वाले किसानों को यूरिया की जरूरत होती है। लेकिन सहकारी समिति और निजी दुकानों पर खाद की उपलब्धता नहीं हो पा रही है। मजबूरन किसान महंगे दामों पर खाद खरीदने को मजबूर है। खुलेआम कालाबाजारी हो रही है और समय से किसानों को यूरिया नहीं मिली तो पैदावार एक चौथाई हो जाएगी।

वहीं, अगले माह के प्रथम सप्ताह से आलू की खेती की शुरुआत हो जाएगी जिसके लिए डीएपी और पोटाश भी अत्यधिक मात्रा में लगेगी। खाद की किल्लत अगर ऐसे ही बनी रही तो आलू किसानों के सामने गहरा संकट छा जाएगा। गंगा पार के सोरांव में 90 फीसदी किसान आलू की खेती करते है। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष राजेश सिंह, राम बाबू, दिव्यांशु शुक्ला, दिनेश प्रताप सिंह, संदीप यादव समेत कई लोग मौजूद रहे।

परिसीमन के लिए शुरू होगा सर्वे

प्रयागराज। अगले वर्ष होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में परिसीमन के लिए इस महीने से सर्वे शुरू किया जाएगा। पंचायती राज विभाग में विभागों की रिपोर्ट को तलब किया गया है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ग्राम पंचायतों में आंशिक बदलाव होगा। जिले में इस वक्त 1540 ग्राम पंचायते हैं। इस साल जनगणना न होने के कारण अभी वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर ही चुनाव होना लगभग तय हो चुका है। ऐसे में ग्राम पंचायतों की संख्या में तो बढ़ोतरी नहीं होगी, लेकिन गांव में वोटरों के आधार पर ग्राम पंचायतों में नए गांव शामिल होने हैं और कुछ ग्राम पंचायतों से पुराने गांव कटने हैं।

घर में खाली हैं कमरे तो स्टे होम सुविधा के लिए करें आवेदन

प्रयागराज। अगर आपके घर में कमरे खाली पड़े हैं और आप उसका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो यह आपके लिए सुनहरा अवसर हो सकता है। शासन के निर्देश पर जिले में 800 नई इकाइयां स्टे होम के रूप में खोलने की तैयारी है। इसके लिए पर्यटन विभाग में पंजीकरण कराना होगा। 18 सितंबर को होटल इलावर्त में पर्यटन विभाग की ओर से कार्यशाला का आयोजन होगा, जिसमें मौके पर ही पंजीकरण कराने का अवसर मिलेगा। महाकुम्भ में प्रयागराज में बहुत पर्यटक आए। इसके बाद भी लोगों का यहां आगमन तो हो रहा है, लेकिन रहने की सुविधा बहुत अच्छी नहीं है। होटल हैं तो बहुत महंगे हैं और धर्मशालाओं में वो व्यवस्था नहीं है। इसे देखते हुए प्रदेश सरकार ने स्टे होम खोलने की अनुमति दी थी। इसके लिए दो श्रेणियां हैं। गोल्ड कैटेगरी में स्टे होम खोलने के लिए तीन साल के लिए तीन हजार रुपये पंजीकरण शुल्क देना होगा, जबकि सिल्वर श्रेणी में दो हजार रुपये का पंजीकरण शुल्क देना होगा। 12 बेड की डोरमेट्री भी अनिवार्य है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि जहां पर स्टे होम खोलना है उसके लिए कुछ शर्तें हैं, जैसे मकान मालिक का वहीं पर रहना अनिवार्य है, कम से कम तीन सीसीटीवी कैमरे लगे होने चाहिए। नाश्ते के साथ भोजन का भी प्रबंध करना होगा। 18 सितंबर को आयोजित कार्यशाला में इच्छुक लोगों को योजना के बारे में विस्तार से बताया जाएगा और इसके साथ ही कैंप भी लगाया जाएगा। जहां पर लोग मौके पर ही पंजीकरण का लाभ ले सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में शुल्क है 100 रुपये ग्रामीण क्षेत्र में स्टे होम की सुविधा का लाभ लिया जा सकता है। इसके लिए 100 रुपये पंजीकरण शुल्क लिया जाएगा। यही शुल्क डोरमेट्री के लिए भी अनुमन्य होगा। गठित की गई है कमेटी यह योजना प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना है। विशेषकर कुम्भ नगरी में। इसके लिए पूरी कमेटी गठित कर दी गई है। जिलाधिकारी या प्रतिनिधि इसके अध्यक्ष होंगे। पुलिस अधीक्षक या प्रतिनिधि, संबंधित क्षेत्र के टैक्स अधीक्षक नगर निकाय या ग्रामीण क्षेत्र जिला या ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, जिला अग्निशमन अधिकारी सदस्य होंगे, जबकि सदस्य सचिव जिले में पर्यटन विभाग के वरिष्ठतम अफसर होंगे।

इस नवरात्र में फूलपुर में बिकेगी सबसे अधिक जमीन

प्रयागराज। नवरात्र का जितना इंतजार शहर के व्यापारी कर रहे हैं उतना ही रियल एस्टेट बाजार को भी है। 22 सितंबर से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्र के लिए रियल एस्टेट बाजार तैयार है। इस बार सबसे ज्यादा जमीन फूलपुर, करछना और सोरांव में बिकेगी। इसके लिए लोग अभी से स्लॉट बुक करा चुके हैं। जमीन की खरीद फरोख्त के लिए निबंधन कार्यालय में लोगों ने स्लॉट बुक किए हैं। नवरात्र में फूलपुर तहसील में प्रतिदिन 51 से 68 तक रजिस्ट्री कराने के लिए आवेदन किए गए हैं जबकि सामान्य दिनों में 30 से 35 रजिस्ट्री ही होती है। सोरांव तहसील में भी 45 से 57 तक रजिस्ट्री प्रतिदिन कराने के लिए स्लॉट लिए गए हैं, वहीं करछना तहसील में भी 40 से अधिक रजिस्ट्रियों के लिए आवेदन आ चुके हैं। इसका बड़ा कारण तीनों तहसील क्षेत्रों में जमीन की उपलब्धता और यहां पर हो रहे विकास के कार्य बताया जा रहा है। अफसरों का कहना है कि शहर में मांग हमेशा सबसे ज्यादा रहती है, लेकिन सदर तहसील क्षेत्र में जमीन की कीमत बहुत अधिक है। ऐसे में करीब की तहसील जहां से सदर तक आने की संभावना अधिक रहती है, वहां पर जमीन की तलाश की जा रही है।

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई सितंबर माह की काव्य गोष्ठी हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन काव्य गोष्ठी का आयोजन। कार्यक्रम अध्यक्ष उमा मिश्रा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ.साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि अनीता दुबे।

काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती देवी की डॉ शशि निगम द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन प्रभा तिवारी ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति दी।

डा.अंजुल कंसल,संतोष तोषनीवाल, डा. शशिकला अवस्थी, नीति अग्निहोत्री ,डॉ शशि निगम, लता सेन, सीता सेन, सुषमा व्यास, हेमा जैन,सुषमा शुक्ला, शोभा रानी तिवारी, डॉ.शशि निगम, सुनीता संतोषी, सुनीता श्रीवास्तव,गायत्री शर्मा और श्रुति चौधरी,आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें, धन्यवाद ज्ञापन डा.अंजुल कंसल ने किया।

कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा गोरखपुर के इंटरनेशनल फ्रेंडशिप आर्ट वर्कशाप और सेमिनार में आमंत्रित कलाकार

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय कला जगत में प्रयागराज एवं भारत का नाम रोशन करने वाले प्रयागराज के मशहूर चित्रकार रवीन्द्र

कुशवाहा को गोरखपुर में आयोजित वसुधैव कुटुंबकम् चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मित्रता कला शिविर एवं सगोष्ठी में सादर आमंत्रित किया गया है। अभी–अभी रवीन्द्र कुशवाहा की अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी अमेरिका के जर्मनटाउन में धूम मचाकर आई है तथा अगली अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी इनकी नार्वे स्वीडन में आयोजित है। ललितकला संस्थान 'ललिता' ए ट्रस्ट ऑफ फाइन आर्ट, फोक आर्ट, परफॉर्मिंग आर्ट एंड कल्चर तथा 'राज्य ललित कला अकादमी' संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 6 देशों के 64 प्रख्यात कलाकार जो चार दिवसीय इंटरनेशनल फ्रेंडशिप आर्ट कैम्प एण्ड सेमिनार में अपनी रचनात्मक कला व भावपूर्ण चित्रण का जलवा बिखेरेंगे ।

उत्तर मध्य रेलवे

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे
बाल्मीकि चौराहा, नवाब यूसुफरोड, प्रयागराज
जोनल सूचना संख्या
आरआरसी/एनसीआर/एक्ट अप्रेन्टिस 01/2025 दिनांक 16.09.2025

शिक्षुता अधिनियम - 1961 के अन्तर्गत प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण हेतु वर्ष 2025-2026 के लिए विस्तृत जोनल अधिसूचना संख्या आरआरसी/उ.म.रे./एक्ट अप्रेन्टिस 01/2025 दिनांक **16.09.2025** को जारी की जा चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थीगण इस संबंध में विस्तृत जानकारी व फार्म ऑनलाईन भरने हेतु इस कार्यालय की अधिकृत वेबसाईट **www.rrcpryj.org** का अवलोकन कर सकते हैं।

अध्यक्ष
रेल भर्ती प्रकोष्ठ
प्रयागराज

1674/25 (C)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं. 09437/09438 गांधीधाम जं.- सियालदह - गांधीधाम जं. सुपरफास्ट (साप्ताहिक) त्योहार विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 09437 गांधीधाम जं. - सियालदह		स्टेशन	गाड़ी सं. 09438 सियालदह - गांधीधाम जं.	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	18:25	गांधीधाम जं.	02:00	-----
13:28	13:30	बयाना जं.	05:45	05:47
15:00	15:05	ईदगाह आगरा जं.	04:20	04:25
16:20	16:25	टूण्डला जं.	03:25	03:30
19:45	19:50	गोविन्दपुरी	00:05	00:15
23:10	23:20	प्रयागराज जं.	21:30	21:40
01:00	01:02	मिर्जापुर	19:40	19:42
16:15	----	सियालदह	-----	05:15

• **गांधीधाम जं. से** : गाड़ी संख्या 09437 दिनांक : 17.09.25, 24.09.25, 01.10.25 एवं 08.10.25 (बुधवार) • **सियालदह से** : गाड़ी संख्या 09438 दिनांक : 20.09.25, 27.09.25, 04.10.25 एवं 11.10.25 (शनिवार)

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी - 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी - 10, स्लीपर श्रेणी - 05

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1686/25 (AS)

बिपिन, प्रगति, शाम्भवी को मिला स्वर्ण एवं रजत पदक

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज में सोमवार को आयोजित अष्टम दीक्षांत समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण , रजत, कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने विद्यार्थियों को पदक प्रदान कर प्रोत्साहित किया। संस्कृत विभाग के परास्नातक छात्र बिपिन मिश्र को स्वर्ण पदक, परास्नातक छात्रा प्रगति मिश्रा तथा संस्कृत स्नातक की छात्रा शाम्भवी द्विवेदी को रजत पदक प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह तथा विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य, उपकुलानुशासक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, संस्कृत प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा तथा डॉ. पूजा सिंह ने विभाग के विद्यार्थियों की इस शैक्षिक उपलब्धि पर हर्ष प्रकट करते हुए सभी को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष दीक्षांत समारोह में संस्कृत विभाग की अंजलि गिरि को स्वर्ण पदक के साथ साथ कुलाधिपति पदक भी मिला था। संस्कृत विभाग की शानदार उपलब्धि पर अनन्त जी मिश्र, नितिन त्रिपाठी, शिखा श्रीवास्तव, ऋषभ त्रिपाठी, विराज, उत्कर्ष, अनुराग, अंजलि, हंसमुख कुमारी, विनीत द्विवेदी, संजीत, दिव्या, दीक्षा, साक्षी, गोल्डी, राघवेन्द्र, विवेक, अदिति, विधि, पायल, खुशी, खुशबू, शिवानी पाल, अवन्तिका, पूनम, आदि ने खुशी व्यक्त की है।

स्नेहा द्विवेदी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में पीएचडी मौखिक परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज की वनस्पति विज्ञान विभाग की शोध छात्रा स्नेहा द्विवेदी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 'ष्उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के कुछ पौधों से पृथक फंगल एंडोफाइट्स की जैव विविधता और जैव क्षमताष् विषय पर अपनी पीएचडी मौखिक परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है।

यह मौखिक परीक्षा विश्वभारती के शिक्षा भवन के प्राचार्य, सम्मानित परीक्षक प्रो. एन.सी. मंडल की उपस्थिति में आयोजित की गई। शोध का मार्गदर्शन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सीएमपी डिग्री कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. आलोक कुमार सिंह ने किया।

मौखिक परीक्षा में डीपीसी सदस्य, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. सत्य नारायण, प्रो. डी. के. चौनान, प्रो. एस.एम. प्रसाद, प्रो. एच.के. खेरी, प्रो. आई.बी. द्विवेदी, प्रो. संजय सिंह, प्रो. मीना राय, विभाग के संकाय सदस्य और शोधार्थी उपस्थित थे।

इस अध्ययन में पौधों से प्राप्त कवक एंडोफाइट्स का अन्वेषण किया गया, जैव विविधता और संभावित जैव गतिविधियों की जाँच की गई।

स्नेहा द्विवेदी के शोध प्रबंध की परीक्षकों ने सराहना की और एंडोफाइटिक कवकों और जैव–प्रौद्योगिक संभावनाओं को समझने में उनके योगदान को रेखांकित किया।

प्रो. एन.सी. मंडल ने स्नेहा द्विवेदी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। वनस्पति विज्ञान विभाग एंडोफाइटिक कवकों पर शोध में उनके योगदान की सराहना करता है।

सम्पादक अखिल नारायण सिंह के जन्म दिन पर हुआ फलों का वितरण, शिक्षार्थियों को मिली लेखनी

प्रतापगढ़। प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय बढ़नी,मोहनगंज में न्यूज़ स्टैण्डर्ड दैनिक एवं पत्रकार सुमन हिन्दी समाचार पत्र/पत्रिका के प्रकाशक एवं संपादक वरिष्ठ पत्रकार सोमवंशी अखिल नारायण सिंह अकेला के जन्म दिवस पर आयोजित समारोह में कहा कि आज दिव्यांगजन हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं, चाहे वह खेल कूद का मैदान हो, शिक्षा हो या कला हो या रोज़गार हो वे हर क्षेत्र में अव्वल हैं।

पत्रकार संजय द्विवेदी,गीतकार गजेंद्र सिंह "विकट" और अखिल नारायण सिंह "अकेला" ने बच्चों को कॉपी,पेंसिल किट,और फल देकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। प्रधानाचार्य बृजेश चौधरी, नारायण यादव,अध्यापिका अमिता कुशवाहा,अनिरुद्ध नारायण तिवारी,हर्ष सिंह को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसी तरह देवकली में स्थित डॉ. निर्मला पब्लिक स्कूल में अखिल नारायण सिंह के जन्म दिन पर एक कवि गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसका संयोजन शायर नियाज़ प्रतापगढ़ी ने किया और संचालन शहर के समाज सेवी व प्रबंधक अनिल प्रताप त्रिपाठी "प्रवात"ने किया।अध्यक्षता वरिष्ठ एवं गीतकार पं.संगम लाल भँवर ने किया। इस अवसर पर श्याम शंकर द्विवेदी, गजेन्द्र सिंह विकट ,ई.चंद्रकांत त्रिपाठी "शाश्वत",कल्पना तिवारी, उनकी बिटिया कनक तिवारी की सहभागिता रही। प्रेस क्लब अध्यक्ष पवन कुमार सिंह की मौजूदगी में जिले के पत्रकारों ने वरिष्ठ संपादक अखिल नारायण सिंह का जन्म दिवस एक विचार गोष्ठी के माध्यम से मनाया।अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने वरिष्ठ संपादक के पत्रकारिता के प्रति किये गये कार्यों को याद करते हुए कहा कि बीते 30 सालों से अखिल नारायण सिंह पत्रकारिता जगत को समृद्ध कर रहे हैं। गोष्ठी में जिले के वरिष्ठ पत्रकारों ने स्मृति चिह्न देकर अखिल नारायण सिंह को सम्मानित किया। इस मौके पर प्रतापगढ़ प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष प्रताप विक्रम सिंह, धर्मेंद्र दुबे, रवि शुक्ला, अजय कुमार मौर्य,अजितेश त्रिपाठी शहीद भगत सिंह की प्रबंधिका डॉ पूनम पांडे राजमणि पांडे आदि पत्रकार मौजूद रहे।

अलौकिक होगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को नई दिशा दे रहे जनप्रतिनिधि

प्रयागराज। शहर दक्षिणी विधानसभा के चौक मंडल में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितंबर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्मदिन 02 अक्टूबर 2025 तक पार्टी द्वारा सेवा एवं सामाजिक कार्यक्रमों से संबंधित 'सेवा पखवाड़ा अभियान कार्यशाला' के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नि वर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी जी, मंडल प्रभारी भाजपा महानगर के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता जी, महानगर उपाध्यक्ष श्री अनिल केसरवानी झल्लर जी राजेश गौड़ जी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के महानगर अध्यक्ष महानगर उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल जी के मार्गदर्शन और चौक मण्डल के अध्यक्ष सुमित वैश्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें अशोक मालवीय जी संध्या गौड़ जी मंडल के दोनों महामंत्री मनमोहन मिश्रा जी बचपन गुप्ता जी कार्यक्रम के संयोजक धीरज केसरवानी जी सहसंयोजक कुमकुम श्रीवास्तव जी राम जी हेला जय किशन चौरसिया दिलीप अरोरा काके राजकुमार केसरवानी नन्हा निषाद अवधेश श्रीवास्तव नीरज पुरवार पुत्तन भाई, लता उपाध्याय रोशनी अग्रवाल रानी केसरवानी मीना केसरवानी मोना भटनागर बीना सारस्वत उपस्थिति तथा अनूप मिश्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया व समस्त मंडल पदाधिकारी, सेक्टर संयोजक कार्यकर्ता, बूथ अध्यक्ष व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी अरविन्द पाण्डेय ने दी।

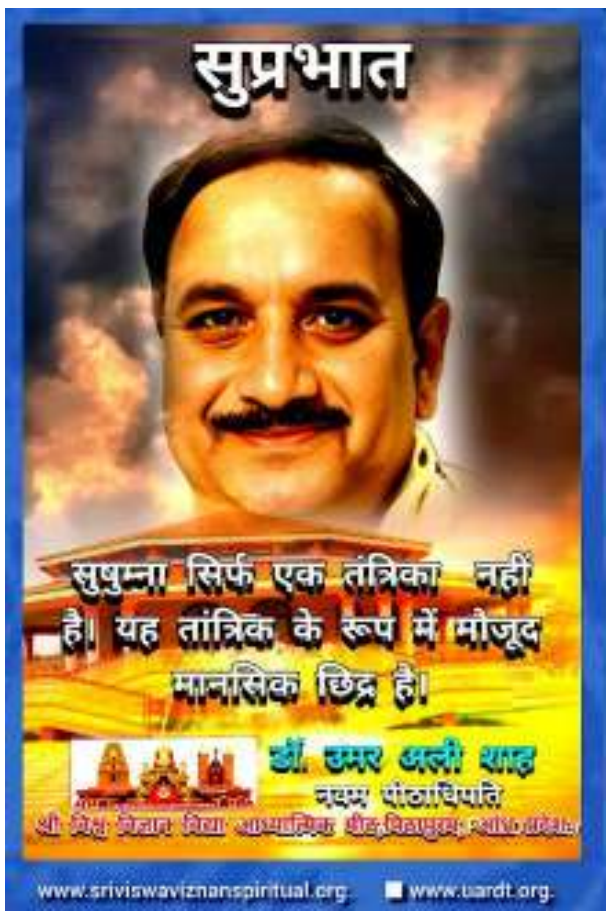

शंखपुष्पी फूल

(कुण्डलिया)

पंखुरियाँ हैं क्षीर–सी,आकृति शंख–समान।
कहें श्शंखपुष्पीश उसे, सारे आस्थावान।
सारे आस्थावान, बताते हैं गुण इसका।
करता दूर थकान,दवा जब यह है बनता।
सुन लो कहें प्रदीप, कह रहे सभी पुरनियाँ।
औषधि से भरपूर, फूल की हैं पंखुरियाँ।।

आयुर्वेदिक ग्रन्थ है, चरक संहिता नाम।
शंख सरीखे पुष्प का,अद्भुत करे बखान।
अद्भुत करे बखान, शंखपुष्पी कह करके।
नील गुलाबी श्वेत,पुष्प जिसके हैं खिलते।
सुन लो कहें प्रदीप, कष्ट यदि है शारीरिक।
खाओ इसको नित्य, दवा है आयुर्वेदिक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रयागराज इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच प्रयागराज इकाई की महिला काव्य गोष्ठी वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमाराय की अध्यक्षता में गूगलमीट द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि मीरा सिन्हा एवं कविता उपाध्याय एवं विशिष्ट अतिथि रचना सक्सेना रही। काव्यगोष्ठी का कुशल संचालन गीता सिंह ने किया। यह काव्य गोष्ठी साम चार बजे से छः. बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही प्रेमाराय द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति द्वारा आयोजन का शुभारंभ किया गया। इस काव्य गोष्ठी में रितु पाण्डेय, शाम्भवी, मंजुलता नागेश, डॉ मंजू, साधना खरे रचना सक्सेना, गीता सिंह कविता उपाध्याय, शशि जायसवाल, और प्रेमा राय ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन गीता सिंह ने किया।

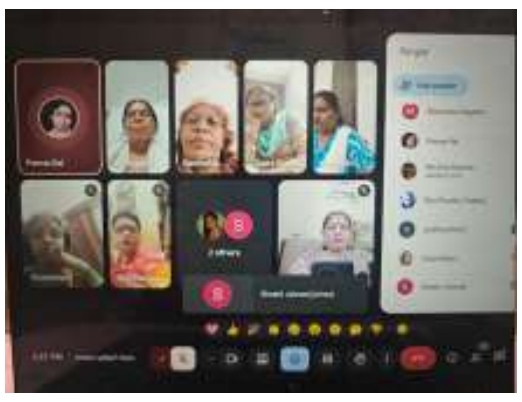

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

(1) गाड़ी सं. 09033/09034 उधना-बरौनी जं.-उधना विशेष रेलगाड़ी

09033 उधना-बरौनी जं.			09034 बरौनी जं.-उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	20:35	उधना	19:00	--
15:08	15:10	मानिकपुर	21:58	22:00
17:40	17:45	प्रयागराज छिवकी	18:15	18:20
05:00	--	बरौनी जं.	--	08:45

उधना से- गाड़ी सं. **09033** दिनांक 20.09., 23.09, 27.09, 30.09., 04.10, एवं 07.10.2025 (प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार) तथा **बरौनी जं. से**- गाड़ी सं. **09034** दिनांक 22.09., 25.09, 29.09, 02.10., 06.10, एवं 09.10.2025 (प्रत्येक गुरुवार एवं सोमवार) **संरचना:** वाता. तृतीय श्रेणी-14

(2) गाड़ी सं. 09067/09068 उधना-जयनगर-उधना साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

09067 उधना-जयनगर			09068 जयनगर-उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	12:20	उधना	12:30	--
06:10	06:12	मानिकपुर	17:50	17:52
07:40	07:50	प्रयागराज छिवकी	14:55	15:05
20:30	--	जयनगर	--	23:30

उधना से- गाड़ी सं. **09067** दिनांक 21.09., 28.09, एवं 05.10.2025 (प्रत्येक रविवार) एवं **जयनगर जं. से**- गाड़ी सं. **09068** दिनांक 22.09., 29.09, एवं 06.10.2025 (प्रत्येक सोमवार) **संरचना:** वाता. द्वितीय श्रेणी-01, वाता. तृतीय श्रेणी-14, स्लीपर श्रेणी-05

(3) गाड़ी सं. 09069/09070 उधना-समस्तीपुर जं.-उधना साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

09069 उधना-समस्तीपुर जं.			09070 समस्तीपुर जं.-उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	20:35	उधना	14:00	--
14:20	14:22	मानिकपुर	17:40	17:42
16:05	16:15	प्रयागराज छिवकी	15:55	16:05
02:00	--	समस्तीपुर	--	05:00

उधना से- गाड़ी सं. **09069** दिनांक 21.09., 28.09, एवं 05.10.2025 (प्रत्येक शनिवार) एवं **समस्तीपुर जं. से**- गाड़ी सं. **09070** दिनांक 23.09., 30.09, एवं 07.10.2025 (प्रत्येक सोमवार) **संरचना:** वाता. तृतीय श्रेणी-07, वाता. तृतीय इकोनॉमी कोच-07

ट्रेनों की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1684/25 FA

सम्पादकीय.....

मणिपुर पर मरहम

लंबे समय तक अशांत रहे मणिपुर के मुद्दे पर अकसर विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। अब वह प्रतीक्षित यात्रा हकीकत बनी है। कहा जा सकता है कि संघर्षरत राज्य की जनता के बीच विश्वास की कमी को दूर करने का यह सार्थक प्रयास जरूरी था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर को शांति और समृद्धि का प्रतीक बनाने का संकल्प जताया है। लेकिन मौजूदा चुनौतीपूर्ण स्थिति सरकार के संकल्प की परीक्षा लेगी। हालांकि,लगभग ढाई साल पहले भड़की जातीय हिंसा हाल के महीनों में, खासकर फरवरी में राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद कम हो गई है। लेकिन भविष्य में हिंसा की आशंका को निर्मूल नहीं कहा जा सकता है। ऐसी दशा में इस संवेदनशील राज्य में केंद्र सरकार को सामान्य स्थिति की बहाली और दीर्घकालिक शांति स्थापना के लिये हर संभव प्रयास करने चाहिए। दरअसल,राज्य में स्थायी शांति के मार्ग में जो एक सबसे बड़ी बाधा है, वह है पर्वतीय इलाकों में रहने वाले कुकी समुदाय और घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के लोगों के बीच लगातार कम होता विश्वास। ऐसे में सरकार का दायित्व बनता है कि दोनों समुदायों की आकांक्षाओं में संतुलन बनाए। ताकि दोनों समुदायों की चिंता और शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जा सके। विगत में मैतेई समुदाय के लोग अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिये जाने की मांग करते रहे हैं। यह एक ऐसा विवादास्पद मुद्दा था, जिसने कुकी–जो समुदाय के लोगों में असुरक्षा व अशांति पैदा कर दी। जिसे दूर किए जाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, हाल के हिंसक संघर्ष ने राज्य में मतभेदों को मनभेद में बदल दिया है। कुकी–जो विधायकों के एक समूह, जिसमें भाजपा के भी सात विधायक शामिल हैं, ने कहा है कि 'दोनों पक्ष केवल अच्छे पड़ोसियों के रूप में शांति से रह सकते हैं,लेकिन फिर कभी एक छत के नीचे नहीं।' उनकी मांग रही है कि गैर–मैतेई समुदायों के लिये अलग विधायिका सहित अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया जाए। यह सोच दोनों समुदायों के बीच गहरे मतभेद को उजागर करती है, जिसने मणिपुर को गहरी क्षति पहुंचायी है। इस पूर्वोत्तर राज्य में विधानसभा चुनाव होने में अभी डेढ़ साल बाकी है। राज्य में हिंसा की पुनरावृत्ति रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर है ताकि विधानसभा चुनाव में देरी न हो। केंद्र सरकार को विधानसभा को लंबे समय तक निलंबित रखने के फायदे और नुकसान का भी आकलन करना होगा। लेकिन फिलहाल, प्राथमिकता के आधार पर ध्यान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास पर देने की जरूरत है। उससे भी महत्वपूर्ण, राज्य में सक्रिय चरमपंथी समूहों के लोगों को हथियार डालने के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। विकास परियोजनाओं पर काम जल्दी शुरू करने तथा उनके क्रियान्वयन में तेजी लाने से भी मणिपुर के लोगों का विश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी। ऐसे तमाम प्रयास मणिपुर के आहत लोगों की विश्वास बहाली में मददगार साबित हो सकते हैं। निस्संदेह, इस बार केंद्र सरकार की तरफ से कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

भारत-पाक मैच, भाजपा का नया प्रयोग

डॉ. दीपक पाचपोर

अगर मोदी सरकार यह कहती कि हम पाकिस्तान के साथ किसी हाल में मैच नहीं खेलेंगे, तो निश्चित तौर पर जनता के बीच उसकी साख बढ़ती।

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच की अनुमति देना मोदी सरकार का एक चालाकी भरा फैसला है। इसके जरिए भाजपा ने देश में एक नया प्रयोग करके देखा है कि जनभावनाओं को नियंत्रित करने की उसकी रणनीतियां, पैंतरें कामयाब हैं या नहीं। सूचना क्रांति के कारण हरेक क्षण में नयी खबर मोबाइल स्क्रीन पर उभरती है। हम एक खबर को ठीक से पढ़ कर उस पर मंथन कर सकें, इससे पहले नयी खबर उसे धकेल कर सामने आ जाती है। टीवी चौनल भी फटाफट वाले अंदाज में 1 मिनट में सौ खबरें सुनाकर दर्शकों को यह अहसास कराते हैं कि अब वो पूरी तरह से बाखबर है। आम नागरिक इस खुशफहमी में अब रहने लगा है कि देश–दुनिया में क्या हो रहा है, इसकी सारी सूचना उसके पास है। हालांकि उसे इतना अवकाश नहीं दिया जा रहा है कि वह खबरों की पुष्टि करे या उसकी पड़ताल कर उसका विश्लेषण कर सके। सत्ता पर बैठे लोग इसका पूरा लाभ उठा रहे हैं। भाजपा यह अच्छे से जानती है कि भारत और पाकिस्तान मैच में सबसे अधिक कमाई के मौके होते हैं। भाजपा यह भी अच्छे से जानती है कि जिस पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप लगाए गए हैं, उसके साथ पहलगाम हमले के बाद मैच खेलने पर देश में सवाल उठेंगे। फिर भी भाजपा ने इस प्रयोग को करने का जोखिम उठाया, क्योंकि उसे पता है कि दोनों ही सूरतों में मुनाफा उसे ही होना है। अगर मोदी सरकार यह कहती कि हम पाकिस्तान के साथ किसी हाल में मैच नहीं खेलेंगे, तो निश्चित तौर पर जनता के बीच उसकी साख बढ़ती। ऑपरेशन सिंदूर में डोनाल्ड ट्रंप के कहने पर युद्धविराम हुआ और इस पर सरकार की किरकिरी हुई, तो यह एक अच्छा मौका नरेन्द्र मोदी के पास था कि वो अपनी छवि पर लगे दाग मिटा देते। लेकिन क्रिकेट मैच से होने वाली कमाई को देखते हुए मोदी सरकार ने मैच खेलने का फैसला लिया। यहीं उसने एक और प्रयोग किया। जिसके तहत भाजपा नेता अब जनता को यह समझा रहे हैं कि भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय मैच कभी नहीं खेलेगा, लेकिन एशिया कप में सारी टीमें खेल रही हैं और हम मैच से पीछे हटेंगे तो हमारे प्वाइंट्स कम होंगे। इसलिए मजबूरी में मैच खेलना पड़ रहा है। हालांकि पाकिस्तान को हमने अब भी माफ नहीं किया है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि बापू के अपमान पर प्रज्ञा ठाकुर को वो दिल से माफ नहीं करेंगे लेकिन संसद में प्रज्ञा ठाकुर ने गोडसे की तारीफ की और मोदी अपना दिल ही टटोलते रह गए। बहरहाल, खबरों के तमाम प्लेटफार्म्स पर अलग–अलग तरीकों से इसी नैरेटिव को आगे बढ़ाया जा रहा है कि मोदी सरकार अब भी पाकिस्तान के खिलाफ है, लेकिन मैच खेलना मजबूरी है। भाजपा जानती है कि जनता का एक बड़ा वर्ग जो मुखर होकर मैच का विरोध कर रहा है, वह भी मौका लगते ही उसका मजा उठाने का कोई मौका नहीं छोड़ेगा। ऐसे लोगों को उलझाने के लिए न्यूज एंकर्स को भी भाजपा ने आगे कर दिया है, जो क्रिकेट खिलाड़ियों को बेहूदे तरीके से चुनौती दे रहे हैं कि इस मैच का बहिष्कार करो, हिम्मत है तो मैदान में मत उतरो। इन एंकर्स में इतनी हिम्मत नहीं है कि वे अमित शाह से सीधा सवाल करें कि आप गृहमंत्री हैं और आपके अधीन आने वाली जांच एजेंसियों की विफलता के कारण पहलगाम हमला हुआ। आपके बेटे जय शाह आईसीसी के चेयरमैन हैं और वो भारत–पाक मैच को रद्द नहीं करवा सके। अगर भारत को एशिया कप खेलना ही था तो टीमों का बंटवारा इस तरह भी हो सकता था कि भारत और पाकिस्तान को एक–दूसरे से खेलने की नौबत न आए, या उनके आपस में न खेलने से किसी को भी प्वाइंट्स का नुकसान न हो। लेकिन जय शाह ऐसा करते तो फिर मैच से होने वाली खरबों की कमाई भी हाथ से निकल जाती। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर की जगह अब भाजपा चर्चा चला रही है कि खून और क्रिकेट साथ में चल सकते हैं, क्योंकि खेल, कला ये सब राजनीति से दूर रहने चाहिए। हालांकि इसी भाजपा सरकार ने पाकिस्तानी कलाकारों फवाद खान और हानिया आमिर की उन फिल्मों का प्रदर्शन रुकवा दिया है, जो भारत में बनी हैं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम आदि पर कई पाकिस्तानी हस्तियों के एकाउंट्स बंद किए गए हैं। अपनी सुविधा से राष्ट्रवाद की परिभाषा और कायदे गढ़ने वाली भाजपा देश में प्रयोग कर रही है कि आखिर जनता को भटकाने में वह कहां तक कामयाब हो सकती है। भाजपा के लिए सत्ता और कमाई से बढ़कर कुछ नहीं है, यह बात एक बार फिर जाहिर हो चुकी है। भारत और पाकिस्तान के किसी भी मैच में विज्ञापनों, मैच की टिकटों, टीवी पर प्रसारण आदि से प्रत्यक्ष तौर पर सफेद कमाई होती है और सट्टेबाजी में परोक्ष तौर पर कमाई की जाती है। खरबों रूपयों की काली कमाई चंद मिनटों में स्विस बैंक जैसे खातों में पहुंचती है। सट्टेबाजी का यह धंधा राजनैतिक सरपरस्ती और प्रशासनिक सहयोग से चलता है। इसलिए क्रिकेट एसोसिएशन्स में राजनेताओं या उनके रिश्तेदारों को मुखिया बनाया जाता है। यह महज संयोग नहीं है कि नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद सरकार में दूसरे स्थान पर सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले अमित शाह के बेटे जय शाह पहले बीसीसीआई में रहे और अब आईसीसी में चेयरमैन बने हैं। जो 14 तारीख के मैच से बड़ी कमाई की उम्मीद लगाए बैठा है। नरेन्द्र मोदी ने एक बार सही कहा था कि व्यापार उनके खून में है।

मोदी राज में कमजोर होता लोकतंत्र

एस आर दारापुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में, सितंबर 2025 तक, भारत में लोकतंत्र की स्थिति अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों, सूचकांकों और घरेलू हितधारकों के बीच एक महत्वपूर्ण बहस का विषय है। हालाँकि भारत में नियमित चुनाव होते रहते हैं और प्रमुख लोकतांत्रिक संस्थाएँ कायम रहती हैं, फिर भी कई वैश्विक आकलन नागरिक स्वतंत्रता, मीडिया की स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक अधिकारों जैसे क्षेत्रों में मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 2014 में सत्ता में आने के बाद से पिछड़ने की ओर इशारा करते हैं। इन चिंताओं को अक्सर उन नीतियों और प्रथाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है जिनके बारे में आलोचकों का तर्क है कि ये सत्ता को केंद्रीकृत करती हैं, असहमति को दबाती हैं और हिंदू राष्ट्रवाद को बढ़ावा देती हैं। हालाँकि, समर्थक चुनावी स्थिरता, उच्च मतदाता मतदान, आर्थिक विकास और जन संतुष्टि सर्वेक्षणों को एक मजबूत लोकतंत्र के प्रमाण के रूप में देखते हैं। नीचे प्रमुख सूचकांकों, खूबियों, आलोचनाओं और व्यापक संदर्भ से प्रमुख निष्कर्षों को रेखांकित किया गया है, जो सरकार समर्थक, आलोचनात्मक और तटस्थ दृष्टिकोणों सहित विभिन्न स्रोतों से लिए गए हैं। कई स्वतंत्र संगठन मात्रात्मक और गुणात्मक मानदंडों का उपयोग करके भारत के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर नजर रखते हैं। यहाँ उनकी 2025 की रिपोर्टों (या 2024–2025 के रुझानों को दर्शाने वाले नवीनतम उपलब्ध आँकड़ों) पर आधारित एक तुलना दी गई है। फ्रीडम हाउस की विश्व में स्वतंत्रता पर 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत को 63/100 (राजनीतिक अधिकाररू 31ध्40य नागरिक स्वतंत्रता 32/60) स्कोर के साथ आंशिक रूप से स्वतंत्र के रूप में चिह्नित किया गया हैय रैंक प्रदान नहीं की गई है।भारतीय लोकतंत्र को भाजपा के पक्ष में कथित चुनाव आयोग के पूर्वाग्रह, विपक्ष को निशाना बनाने के लिए सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों के इस्तेमाल (जैसे, मार्च 2024 में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी), पेगासस जैसे स्पाइवेयर के माध्यम से अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध और मणिपुर में सांप्रदायिक हिंसा के कारण डाउनग्रेड किया गया है। वी–डेम इंस्टीट्यूट की डेमोक्रेसी रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत को चुनावी निरंकुशता (निरंकुशता के दौर से गुजर रहा) के रूप में वर्गीकृत किया गया है, उदार लोकतंत्र सूचकांक (एलडीआई)रू 0.29य रैंक 100/179 ।गिरावट 2008 में शुरू हुई लेकिन मोदी के कार्यकाल में तेज हुई, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों के उत्पीड़न और राजद्रोह तथा आतंकवाद विरोधी कानूनों का उपयोग करके नागरिक समाज पर हमलों में गिरावट आई। भाजपा द्वारा चुनावों में एकल–दलीय बहुमत खोने के बाद 2024 में कोई और गिरावट नहीं होगी, लेकिन यह ष्ग्रे जोनष निरंकुशता में बनी रहेगी। इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट की रिपोर्ट (डेमोक्रेसी इंडेक्स 2024, 2025 में प्रकाशित) के अनुसार, भारतीय लोकतंत्र को 7.29ध्10 के साथ त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया हैय रैंकरू 41/167 स्कोर मजबूत चुनावी प्रक्रियाओं को दर्शाता है लेकिन नागरिक स्वतंत्रता और राजनीतिक संस्कृति में कमजोरियों को दर्शाता हैय एशिया का क्षेत्रीय स्कोर आंशिक रूप से भारत के रुझानों के कारण गिरा, जिसमें मीडिया की स्व–सेंसरशिप और विपक्ष को धमकी शामिल है। इंटरनेशनल आईडीईए (ग्लोबल स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी 2024, 2025 अपडेट के साथ) के अनुसार, भारतीय लोकतंत्र को मध्यम श्रेणी का प्रदर्शनकर्ता माना गया है द्य प्रतिनिधित्वरू 73ध173य अधिकार 112/173य कानून का शासनरू 76/173य भागीदारी 99/173 निर्वाचित अधिकारियों और न्यायिक निगरानी में मजबूती (उदाहरण के लिए, 2024 में मनमाने ढंग से तोड़फोड़ के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के फैसले)य अधिकारों में कमजोरियाँ, जिनमें 2025 में जातीय बंगाली मुसलमानों का निष्कासन और वक्फ संशोधन अधिनियम शामिल हैं, जिससे मुस्लिम संपत्तियों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ गया है।ये सूचकांक आम तौर पर भारत की संकर स्थिति पर सहमत हैं कृन तो पूरी तरह से लोकतांत्रिक और न ही निरंकुशकृ लेकिन 2014 के बाद से इसमें गिरावट देखी गई है, जिसमें वी–डेम ने इसे वैश्विक स्तर पर ष्सबसे बुरे निरंकुशष देशों में से एक करार दिया है। भारत सरकार ने इस पर पलटवार किया है, आधिकारिक आख्यानों में लोकतंत्र को पुनर्परिभाषित करते हुए पश्चिमी उदारवादी मानदंडों पर सांस्कृतिक और चुनावी पहलुओं पर जोर दिया है, और रैंकिंग को पक्षपातपूर्ण बताकर खारिज कर दिया है। भारत ने 2024 में दुनिया के सबसे बड़े चुनाव आयोजित किए, जिसमें 66ः मतदान हुआ और 90 करोड़ से ज़्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 293 सीटें हासिल कीं, जिससे मोदी को तीसरा कार्यकाल मिला, हालाँकि पार्टी ने अपना पूर्ण बहुमत (240 सीटें) एक उभरते हुए विपक्ष (जैसे, कांग्रेस ने 99 सीटें जीतीं) के हाथों खो दिया। यह परिणाम प्रतिस्पर्धी बहुलवाद को दर्शाता है, जहाँ किसी बड़ी हिंसा या धांधली की कोई खबर नहीं है, जो बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसियों में अस्थिरता के विपरीत है। मोदी समर्थक आवाजें तर्क देती हैं कि निरंतर जनादेश (2014, 2019, 2024) वास्तविक जनसमर्थन को दर्शाते हैं, और भारत का लोकतंत्र 1947 से बिना किसी सैन्य तख्तापलट के, कई समकक्षों के विपरीत, टिका हुआ है। 2025 के प्यू रिसर्च सर्वेक्षण में पाया गया कि 74ः भारतीय लोकतंत्र के कामकाज से संतुष्ट हैं, जो वैश्विक स्तर पर सबसे ज़्यादा दरों में से एक है। मोदी सरकार आर्थिक विकास (जैसे, 2024ध्25 में 6.5ः जीडीपी), बुनियादी ढाँचे और भारत के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कद (जैसे, जी20 की अध्यक्षता, चंद्र मिशन) को लोकतांत्रिक लाभ के रूप में उजागर करती है। रैंकिंग के आलोचक, जैसे अकादमिक सल्वाटोर बेबोन्स, वी–डेम के मीडिया पर कार्रवाई और अल्पसंख्यकों के दमन के दावों पर सवाल उठाते हैं, यह तर्क देते हुए कि वे सांस्कृतिक बहुलवाद में निहित भारत के अनूठे ष्धर्म लोकतंत्रष की अनदेखी करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कार्यपालिका के अतिक्रमण पर लगाम लगाई है, जैसे कि 2024 में ष्बुलडोजर न्यायष (उचित प्रक्रिया के बिना विध्वंस) के विरुद्ध निर्णय और 2025 में राज्यपाल की शक्तियों को स्पष्ट करना। संघवाद कायम है, और 2024 के बाद गठबंधन की गतिशीलता मोदी को सहयोगियों के साथ बातचीत करने के लिए मजबूर कर रही है। मोदी के शासनकाल में, गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए, संशोधित 2019) और राजद्रोह के प्रावधानों जैसे कानूनों का इस्तेमाल आलोचकों को हिरासत में लेने के लिए किया गया है, 2015–2019 के बीच यूएपीए के तहत गिरफ्तारियाँ 72ः बढ़ी हैं और 98ः को जमानत देने से इनकार कर दिया गया है। विपक्षी नेताओं को लक्षित जाँचों का सामना करना पड़ रहा है (जैसे, 2024 में कांग्रेस के धन पर रोक लगा दी गई है), और विरोध प्रदर्शनों को इंटरनेट बंद (2022 में 84) और बल प्रयोग के माध्यम से रोका जा रहा है। सिविकस ने 2019 से भारत को पाकिस्तान के समान दमित बताया है। 2025 के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत का स्थान 151ध180 है, जो 2014 से पहले के उच्च स्तर से नीचे है। पत्रकारों को उत्पीड़न, धमकियों और छापों का सामना करना पड़ रहा है (उदाहरण के लिए, 2023 में बीबीसी), और मीडिया का स्वामित्व गौतम अडानी जैसे मोदी के सहयोगियों के पास केंद्रित है। सोशल मीडिया पर कार्रवाई और स्पाइवेयर के इस्तेमाल ने शिक्षा जगत और गैर–सरकारी संगठनों का दमन किया है, और 2024 में मानवाधिकार समूहों के एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। नागरिकता संशोधन अधिनियम (2024 में लागू) जैसी नीतियाँ मुसलमानों को त्वरित नागरिकता से वंचित करती हैं, जिसे धर्मनिरपेक्षता को कम करने वाला माना जाता है। लिंचिंग (2014 के बाद 97ः) और दंगों सहित मुस्लिम विरोधी हिंसा में वृद्धि हुई है, और मणिपुर में चल रही झड़पों के कारण 2024 के अंत तक 60,000 लोग विस्थापित हो जाएँगे। 2025 में बंगाली मुसलमानों का निष्कासन और वक्फ अधिनियम अल्पसंख्यकों के हाशिए पर होने को उजागर करते हैं।

देश का राजनीतिक,आर्थिक और सामाजिक पुनर्जागरण

संजीव ठाकुर

1947 में भारत एवं पाकिस्तान ने एक साथ स्वतंत्रता की प्राप्ति की थी किंतु पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा धारण कर अलग दिशा में आगे बढ़ता गया जिसके फल स्वरुप आज पाकिस्तान विपन्न और गरीब देश बन गया है। दूसरी तरफ भारत एक लोकतांत्रिक, जनतांत्रिक अवधारणा की दिशा में नई–नई विकास के सोपनो को प्रतिपादित कर आगे बढ़ता गया। भारत वैश्विक स्तर पर सामरिक आर्थिक एवं अन्य विषयों पर काफी हद तक प्रगति प्राप्त कर चुका है।भारत ने आश्चर्यजनक रूप से देश को विकसित मजबूत एवं सशक्त बना दिया है। भारतीय परिदृश्य और संदर्भ में भारत में विगत एक दशक में व्यापक तथा आमूल चूल परिवर्तन देखे गये हैं। राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायित्व आधारित शासन प्रशासन–प्रणाली, सांस्कृतिक विमर्श में सनातनी सांस्कृतिक सभ्यता–गौरव की पुनर्प्राप्ति और आर्थिक नीतियों के संरचनात्मक सुधारों ने देश की दिशा और दशा तय की है। इन नई विचारधारा एवं रणनीति ने भारत को न केवल आंतरिक रूप से सशक्त किया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया। भारतीय राजनीति में पिछले दो दशकों का सबसे बड़ा परिवर्तन रिपोर्ट कार्ड राजनीति का उदय रहा, जिसमें आम जनता और राजनीतिक नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके किए गए कार्यों और परिणामों के आधार पर कसौटी पर कसा जाने लगा है। संवैधानिक और नीतिगत स्तर पर कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए। 2019 में अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू–कश्मीर का पुनर्गठन केंद्र की सख्त और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा विचारधारा का प्रतीक बना। तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा। वहीं नागरिकता संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीयता और शरणार्थी नीति पर नई विचारों की श्रृंखला को जन्म दिया। भारत की परंपरागत लोकतांत्रिक विरासत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए नया संसद भवन, ई–संसद और डिजिटलीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ विपक्ष की भूमिका, मीडिया की स्वतंत्रता और चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया तथा धनबल के प्रभाव ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली भी बनाया गया है। नये भारत की संकल्पना और अवधारणा को केवल राजनीति या अर्थव्यवस्था तक सीमित परिसीमित नहीं रखा गया है बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र के व्यापक फलक पर भी इसका गहरा असर और परिणाम परिलक्षित हुए हैं । भारत की महान अर्वाचीन योग और आयुर्वेद जैसी परंपरा को वैश्विक स्तर प्रचारित प्रसारित कर नई अवधारणा तथा पहचान प्रदान की गई है। अयोध्या में राममंदिर निर्माण ने भारतीय परंपरा और धार्मिक–सांस्कृतिक आकांक्षाओं की विशाल अवधारणा को मूर्त रूप दिया गया है। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय आख्यानों और इतिहास को नवीन स्वरूप देने के प्रयास किए गए हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को पुष्पित पल्लवित करने के प्रयासों को संपूर्ण प्रोत्साहन दिया गया। साथ ही, सांस्कृतिक कूटनीति नवीन अवधारणा के माध्यम से भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान और अधिक सुदृढ़ रूप से विस्तारित की है। हालाँकि, इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ अनेक कठिन एवं दुष्कर चुनौतियाँ भी रहीं हैं। बहुलतावाद और अल्पसंख्यक अधिकारों पर उठते सवाल तथा परंपरा बनाम आधुनिकता की खींचतान समाज में गूढ विचार विमर्श का विषय बनी रही। आर्थिक पुनर्जागरण के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने इस दशक में उल्लेखनीय और अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है । मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी (2017) ने कर संरचना को एकीकृत और पारदर्शी बनाया। जीएसटी को 2025 में 22 सितंबर से नवीन संशोधन कर एकदम सरल एवं स्पष्ट कर काफी हद तक सस्ता करके आम जन को बड़ी राहत पहुंचाई है। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और यूपीआई ने वित्तीय समावेशन और नकदी रहित लेन–देन की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाए। स्टार्टअप इंडिया ने उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित किया। इसके परिणामस्वरूप भारत आज विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। विदेशी निवेश वृद्धि, रेलवे और सड़क निर्माण में गति तथा बिजली और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार इस आर्थिक पुनर्जागरण के प्रमुख संकेतक रहे।इसके बावजूद बेरोजगारी की समस्या, ग्रामीणदृशहरी असमानता और आय–विभाजन जैसी बड़ी और गंभीर चुनौतियाँ भारत देश के आर्थिक परिदृश्य को संतुलित होने से रोकती रही हैं। कृषि सुधार अभी तक आधे अधूरे रह गए और हरियाणा पंजाब तथा अन्य प्रदेशों में किसान आंदोलनों ने यह यह साफ तथा स्पष्ट संकेत दिया कि विकास की अवधारणा सबके लिए समान रूप से सुलभ नहीं है।भारत ने पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान बनाई ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में भारत की भूमिका स्पष्ट हुई। 2023 में आयोजित ह20 सम्मेलनों में भारत ने वैश्विक मुद्दों पर संतुलित और निर्णायक नेतृत्व प्रस्तुत किया। चीन में हुए शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में 10 महत्वपूर्ण देशों के साथ 27 देशों ने भारत चीन और रूस पर अपना विश्वास जाहिर कर यूरोपीय शक्तियों एवं मनमानी का खुला विरोध किया है, जिसमें भारत पर अमेरिका द्वारा 50ः लगाए गए टैरिफ का भी खुला विरोध हुआ है। रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंधों ने भारत की स्थिति को और सशक्त मजबूत किया।पिछले दस वर्षों का भारत राजनीतिक दृढ़ता, सांस्कृतिक आत्मगौरव और आर्थिक नवाचारों से परिपूर्ण रहा है। यह अवधि भारतीय लोकतंत्र को नई परिभाषा देने, सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने और आर्थिक संरचना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण रही। हालाँकि असमानता, बेरोजगारी और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी विकराल चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं, फिर भी यह कहना उचित होगा कि यह दशक भारत के लिए राजनीतिक–सांस्कृतिक–आर्थिक पुनर्जागरण का समय रहा है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक शक्ति बना दिया है। भारत की सनातनी सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और भारत की सामरिक शक्ति में इजाफा होकर पिछले एक दशक में भारतीय जनमानस की एकजुटता एवं देश के नेतृत्व की कार्य कुशलता के परिणाम स्वरूप भारत का सम्मान और कद वैश्विक परिदृश्य में काफी हद तक ऊंचा हुआ है।

सबसे बड़ा रियलिटी शो "प्यार का पंचायत" होस्ट करेंगे डिम्पल सिंह और राहुल दोस्त

इतिहास में पहली बार, भोजपुरी में एक भव्य रियलिटी शो, जिसका अंदाज स्प्लिट्सविला जैसा होगा, टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों पर २०२६ में आने वाला है। इस शो का नाम "प्यार का पंचायत" रखा गया है।

इतिहास में पहली बार, भोजपुरी में एक भव्य रियलिटी शो, जिसका अंदाज स्प्लिट्सविला जैसा होगा, टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों पर 2026 में आने वाला है। इस शो का नाम "प्यार का पंचायत" रखा गया है। शो में 16 प्रतियोगी प्यार, दोस्ती और विभिन्न चुनौतियों में अपनी योग्यता साबित करेंगे। शो को होस्ट करेंगे डिम्पल सिंह और राहुल दोस्त, जो इसे भोजपुरी मनोरंजन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बना देंगे। शो का निर्देशन बंटी दुबे और सुनील मझी जी करेंगे, जबकि प्रोडक्शन मैनेजर अजय निगम होंगे और प्रोडक्शन एआर7 एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है।भोजपुरी इंडस्ट्री हमेशा अपने लोगों की संस्कृति और रंग को सिनेमा के माध्यम से दर्शाती रही है। भोजपुरी फिल्में और गाने केवल बिहार और उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में पसंद किए जाते हैं। इसके बावजूद, रियलिटी शो के मामले में दर्शक अक्सर सवाल करते रहे हैं कि राष्ट्रीय टीवी पर केवल हिंदी शो क्यों आते हैं। लंबे समय से यह सवाल उठता रहा है कि भोजपुरी में भी एक बड़ा प्लेटफॉर्म क्यों नहीं है जो एमटीवी या बिग बॉस जैसे शो से मुकाबला कर सके। दर्शक अपनी आवाज इस क्षेत्र में लंबे समय से चाहते थे और अब इंडस्ट्री इस कमी को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही है।बिहार और उत्तर प्रदेश के युवा हिंदी शो तो देखते हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि अगर ऐसा कंटेंट भोजपुरी में हो तो रोमांच और भी ज्यादा बढ़ जाएगा। रियलिटी शो केवल टास्क या ड्रामा तक सीमित नहीं होते। ये संस्कृति, भाषा और पहचान से जुड़ते हैं। इस कमी को पूरा करने के लिए अब प्रोडक्शन हाउसेस कदम उठा रहे हैं। लक्ष्य केवल हिंदी शो की नकल करना नहीं है, बल्कि दर्शकों को उनकी मातृभाषा में वही रोमांच, सस्पेंस और मनोरंजन देना है जिसका वे लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।एक साल की योजना के बाद, एआर7 फिल्म्स ने दो भोजपुरी रियलिटी शो की घोषणा की है। पहला शो "प्यार का पंचायत" खासतौर पर बिहार के युवाओं के लिए तैयार किया गया है और यह एमटीवी जैसे हिंदी युवा शो के अंदाज में पेश किया जाएगा। यह शो प्यार, दोस्ती और प्रतियोगिता का अनोखा मिश्रण भोजपुरी में पेश करेगा। दूसरा शो बिग बॉस फॉर्मेट से प्रेरित है। इसमें 15 कलाकार, 4 निर्देशक और एक बड़े भोजपुरी फिल्म अभिनेता होस्ट के रूप में शामिल होंगे। शूटिंग जुलाई 2026 में उत्तर प्रदेश में शुरू होगी और सेट को भव्य रूप देने का काम जारी है।निर्माताओं के अनुसार, भोजपुरी में आने वाला यह बिग बॉस–स्टाइल शो रोमांच, सस्पेंस, टास्क और रणनीतियों का आनंद देगा, जैसे हिंदी संस्करण में मिलता है। फर्क यह होगा कि यह पूरी तरह से भोजपुरी भाषा में डिजाइन किया गया है, शीर्षक से लेकर थीम और स्क्रिप्ट तक। कई कलाकारों का चयन हो चुका है और विजेता को 11 लाख रुपये और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। इसे भोजपुरी इंडस्ट्री के लिए नई ऊर्जा माना जा रहा है, क्योंकि अब तक यह क्षेत्र मुख्य रूप से फिल्मों और संगीत में ही बढ़ रहा था, लेकिन रियलिटी टीवी में कम कदम रखा गया। बिहार के युवाओं और भोजपुरी दर्शकों के लिए ये शो नई लहर लाने वाले हैं। अब तक उन्हें ऐसी मनोरंजन सामग्री केवल हिंदी में ही मिलती थी, लेकिन अब उनके लिए पूरी तरह से डिजाइन किया गया कंटेंट उपलब्ध होगा। प्रोडक्शन टीम ने पहले ही तैयारी शुरू कर दी है और जल्दी ही टाइटल, प्रोमो और ट्रेलर जारी किए जाएंगे। यह कदम दर्शकों को पहली बार उनके अपने भाषा में रियलिटी शो का अनुभव देगा। दोनों शो "प्यार का पंचायत" और बिग बॉस–स्टाइल शो सांस्कृतिक, मनोरंजन और भाषा के माध्यम से भोजपुरी इंडस्ट्री को टीवी पर मजबूत उपस्थिति देने का प्रयास करेंगे।

जल्द मां बनने वाली हैं कैटरीना कैफ! अक्टूबर–नवंबर में घर गूंजेगी बच्चे की किलकारी

बॉलीवुड के फेमस कपल कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने दिसंबर, 2021 में राजस्थान में धूमधाम से शादी रचाई थी। कपल की शादी को करीब चार साल हो गए हैं और कई बार इनके पेरेंट्स बनने की अफवाहें उड़ चुकी हैं। हालांकि, अब तक न तो विक्की और न ही कैटरीना ने प्रेग्नेंसी की ऑफीशियल अनाउंसमेंट की है। इसी बीच कपल के एक करीबी सूत्र ने कंफर्म किया कि कैटरीना अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं और बच्चा अक्टूबर–नवंबर में आ सकता है। कैटरीना के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया है कि वह एक एक्टिव मां बनना चाहती हैं। अक्टूबर–नवंबर में उनके घर बेबी आ सकता है। बच्चे के आने के बाद एक्ट्रेस लंबी मेटर्निटी लीव लेंगी। हालांकि, इन सब खबरों पर अभी तक विक्की–कैटरीना चुप्पी साधे हुए हैं। इससे पहले एक्टर विक्की कौशल से बैड न्यूज के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उनकी पत्नी कैटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी की चर्चाओं के बारे में पूछा गया था तो इस पर उन्होंने कहा था, ष्जहां तक खुशखबरी (प्रेग्नेंसी) की बात है, हमें इसे आपके साथ शेयर करते हुए बहुत खुशी होगी, लेकिन अभी इन अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है। अभी बस इंक दमू को एंजॉय कीजिए. जब अच्छी खबर आएगी तो हम आपके साथ जरूर शेयर करेंगे। काम की बात करें तो विक्की कौशल आखिरी बार फिल्म छावा में देखा गया था, जबकि कैटरीना कैफ विजय सेतुपति के साथ फिल्म मेरी क्रिसमस में नजर आई थीं।

घर पर फायरिंग के बाद पहली बार सामने आई दिशा पाटनी की बहन, वीडियो में सेल्फ डिफेंस सिखाती दिखीं खुशबू

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पटानी और उनकी बहन खुशबू पटानी के घर पर हाल ही में हमला हुआ था। उनके बरेली स्थित घर के बाहर कुछ अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गनीमत रही कि परिवार का कोई भी सदस्य घायल नहीं हुआ। इस वारदात ने सभी को हैरान कर दिया था। वहीं, इस हमले के दो दिन बाद दिशा पटानी की बहन खुशबू ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे सेल्फ डिफेंस के टिप्स देती नजर आ रही हैं। वीडियो में खुशबू पटानी दिखाती हैं कि कैसे मुश्किल परिस्थितियों में भी सिर्फ एक साधारण केबल की मदद से खुद को बचाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि सेना में प्रशिक्षण के दौरान उन्हें सिखाया गया था कि खतरनाक हालात में शांत रहकर और समझदारी से कैसे खुद को सुरक्षित किया जा सकता है। खुशबू का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कई लोगों ने उनकी सोच और पहल की तारीफ की, वहीं कुछ यूजर्स ने तंज भी कसा। एक शख्स ने लिखा "मेडम, अगर एसी रूम के बाहर असली फाइट हो तो क्या ये काम करेगा?" दूसरे ने कहा "गोली चल गई ढांय" वहीं, कई लोगों ने उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और पूछा कि क्या उनका परिवार अब सुरक्षित है। बता दें, घर पर हुए हमले के बाद दिशा पटानी न्यूयॉर्क फैशन वीक का हिस्सा बनीं और अपने लुक से सभी का ध्यान खींच लिया। दिशा इस इवेंट में डीप वी–नेक, स्ट्रैपी, सीक्विन मैक्सी ड्रेस में नजर आईं। उन्होंने खुले बाल, मिनिमल मेकअप और ब्लैक हाई हील्स के साथ अपने लुक को पूरा किया, जिसमें वे बेहद ग्लैमरस दिख रही थीं। बरेली फायरिंग को लेकर जगदीश पाटनी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि इस घटना को उनकी बेटी खुशबू के बयानों से जोड़कर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले के पीछे कोई गहरी साजिश है और परिवार की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है।

नो मेकअप, नो शो–ऑफ..राजेश खन्ना की नातिन की सादगी ने जीता सबका दिल, मासूमियत की हो रही जमकर तारीफ

बॉलीवुड स्टार्स के साथ–साथ स्टार किड्स भी सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में रहते हैं। हालांकि, अभी तक कई ऐसे स्टार किड हैं, जिन्होंने एक्टिंग में डेब्यू नहीं किया, लेकिन अपने लुक्स से हमेशा सुर्खियां बटोरते हैं। इसी बीच एक और स्टारकिड लगातार चर्चा में बनी हुई हैं–नाओमिका सरन, जो बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना और दिग्गज एक्ट्रेस डिंपल कपाड़िया की नातिन हैं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर कूब वायरल हो रहा है। दरअसल, हाल ही में नाओमिका अपनी मौसी ट्विंकल खन्ना के साथ स्पॉट हुईं। इस दौरान जहां ट्विंकल वेस्टर्न स्टाइल ब्राउन कोट–पैंट सूट में नजर आईं, वहीं नाओमिका ने पूरी तरह ट्रेडिशनल लुक अपनाया। उन्होंने हल्के गुलाबी रंग का सिंपल कॉटन सूट पहना और बाल खुले रखे। साथ में स्लीपर और खुले बाल। नाओमिका का ये लुक बेहद सिंपल था। बिना मेकअप, बिना किसी शो–ऑफ के, उनकी मासूमियत ने फैंस का दिल जीतती दिखी। कैमरे के सामने नजरें झुकाए वो शरमाते हुए कार में बैठती दिखीं। नाओमिका का यह वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया और लोग उनकी तुलना बाकी स्टारकिड्स से कर रहे हैं। कई यूजर्स ने कमेंट किया कि वो जाह्नवी कपूर, शनाया कपूर और अनन्या पांडे से भी ज्यादा खूबसूरत और सिंपल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाओमिका सरन जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी में हैं। वह अपना बॉलीवुड डेब्यू अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ कर सकती हैं। दोनों को कई बार प्रोडक्शन हाउस के बाहर साथ देखा गया है। बताया जा रहा है कि ये जोड़ी एक रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म में दिखाई देगी, जिसे दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनाया जाएगा। नाओमिका, ट्विंकल खन्ना की छोटी बहन रिंकी खन्ना की बेटी हैं। रिंकी ने फिल्मों से दूरी बनाकर बिजनेसमैन से शादी कर ली थी और अब लंदन में रहती हैं।

मौत के मुंह से बचकर निकली ये जानी-मानी एक्ट्रेस, बिग बी की इस ऑनस्क्रीन बहन के साथ हुआ था खौफनाक हादसा

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी–मानी एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार की जिंदगी किसी फिल्म से कम नहीं है। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक बार वह एक भयानक आतंकवादी हमले का शिकार होने से बाल–बाल बची थीं? यह हादसा इतना खौफनाक था कि इसमें कई लोगों की जान चली गई थी। हिंदी सिनेमा के दर्शक राधिका को खास तौर पर फिल्म आज का अर्जुन में अमिताभ बच्चन की बहन और नसीब अपना अपना में चंदो के किरदार के लिए याद करते हैं। हिंदी में भले ही उन्होंने कम फिल्में की हों लेकिन तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में उनका बहुत बड़ा नाम है और वह आज भी एक्टिंग में सक्रिय हैं। यह खौफनाक घटना साल 2019 में हुई थी। एक्ट्रेस राधिका श्रीलंका के जिस शांग्री–ला होटल में ठहरी हुई थीं उसी होटल को ईस्टर संडे के दिन हुए सीरियल बम धमाकों में निशाना बनाया गया था। कोलंबो और नेगोंबो के कई चर्चों और लग्जरी होटलों पर हुए इन हमलों में करीब 250 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। राधिका की किस्मत अच्छी थी कि वह धमाके से कुछ घंटे पहले ही होटल से निकल चुकी थीं। अगर वह वहां होतीं तो शायद उनकी जान भी खतरे में पड़ सकती थी। इस दर्दनाक अनुभव ने उनकी जिंदगी पर एक गहरा असर डाला। राधिका की निजी जिंदगी भी काफी उतार–चढ़ाव भरी रही है। उनके पिता ने एक बड़े फिल्म स्टार की हत्या कर दी थी जिसकी वजह से उनका बचपन श्रीलंका में बीता। उन्होंने तीन शादियां कीं जिनमें से पहली दो असफल रहीं। तीसरी शादी एक्टर और राजनेता सरथकुमार से हुई जो सफल रही। राधिका की जिंदगी के ये अनुभव दिखाते हैं कि वह न सिर्फ पर्दे पर बल्कि असल जिंदगी में भी एक मजबूत और बहादुर इंसान हैं।

रात के बचे हुए चावल से बनाएं स्पाइसी फ्राइड राइस, बच्चों से लेकर बड़े सब हो जाएंगे स्वाद के दीवाने

आइए आपको फ्राइड राइस की रेसिपी बताते हैं। ज्यादातर घरों मे रोज चावल बनते हैं। हालांकि, कई बार चावल ज्यादा ही बन जाते हैं। तो ऐसे में बचे हुए चावल खाना हर कोई पसंद नहीं करता। फेकने से अच्छा है कि आप घर में बचे हुए चावल चाइनीज फ्राइड राइस बना सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

सामग्री

– 2 कप चावल
– 3 बड़े चम्मच तेल
– 1 चक्र फूल
– 1 चम्मच बारीक कटा हुआ लहसुन
– आधा चम्मच बारीक कटा हुआ अदरक
– आधा कप बारीक कटी पत्तागोभी
– आधा कप बारीक कटी शिमला मिर्च
– एक बड़ा चम्मच कटा हुआ हरे प्याज का सफेद हिस्सा
– 2 बड़े चम्मच बारीक कटी हुई फ्रेंच बीन्स
– 2 बड़े चम्मच हरे प्याज के पत्ते
– 1 कप पनीर कटा हुआ
– 1 बड़ा चम्मच सोया सॉस
– 1 चम्मच सिरका
– आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर
– नमक

इस तरह से बनाएं फ्राइड राइस

– सबसे पहले आप कड़ाही में तेल गर्म करें। इसके बाद चक्रफूल डालें और उसे खुशबू आने तक भूनें।

– फिर इसमें लहसुन, अदरक डालें और कुछ सेकंड तक भूनें। लहसून को भूरा करने की जरुरत नहीं है। इसमें हरे प्याज का सफेद भाग डालें और लगभग 2 मिनट तक भूनें। फिर इसमें कटी हुई फ्रेंच बीन्स डालें।

– इसको चलाते हुए भूनें। इसके बाद आप पनीर और बाकी कटी हुईं सब्जियों को इसमें डालें। सभी सब्जियों को अच्छी तरह से पकाने के लिए आंच को तेज करें।

– याद रखें कि सब्जियों को लगातार चलाते रहें। सब्जियों को तेज आंच पर ही भूना जाता है ताकि उनका कुरकुरापन बरकरार रहे।

– इसके बाद आप इसमें सोया सॉस, नमक और काली मिर्च डालें। तेजी से मिलाते हुए इसमें चावल डालें। फिर इसे भूनें जब तक कि सॉस चावल पर अच्छी तरह चढ़ न जाए। जब सब मिक्स हो जाए तो हरी प्याज के पत्ते से गार्निश करके सर्व करें।

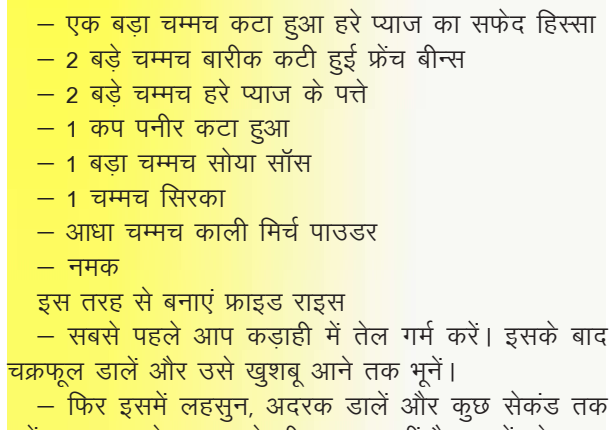

धनिया जूस पीने से सेहत को मिलते हैं ये 4 जबरदस्त फायदे, डाइट में करें शामिल

गलत खानपान और खराब जीवनशैली के चलते लोगों में बीमारियां ज्यादा बढ़ रही है। खुद को फिट रखने की बजाय बाहर का जंक फूड खाकर खुद ही बीमारियों के चपेट में आ रहे हैं। हेल्दी रहने के लिए खानपान का विशेष ध्यान देना जरुरी है। कॉरिऐंडर जिसे आमतौर पर धनिया के नाम से जाना जाता है, यह एक जड़ी बूटी है जो न केवल भारतीय व्यंजनों में सजाने के लिए उपयोगी है बल्कि इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। इनका नियमित रूप से सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, पाचन में सहायता मिलती है, हृदय संबंधी समस्याएं कम होती हैं और वजन घटाने में मदद मिलती है। हमारे व्यंजनों में प्राकृतिक सुगंध जोड़ने वाली ये हरी पत्तियां विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे स्वस्थ पोषक तत्वों से भरपूर हैं। आप रोज सुबह अपने आहार में धनिये का जूस शामिल कर सकते हैं।

पाचन में सुधार करता है

रोजाना सुबह एक छोटा गिलास धनिये का जूस पीना पाचन संबंधी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा घरेलू उपाय हो सकता है। यह पाचन एंजाइमों के उत्पादन को बढ़ाता है, जो पाचन में सहायता करता है और सूजन, गैस और अपच को कम करता है। खाली पेट इसका सेवन करने से जूस को अन्य खाद्य पदार्थों में रुकावट के बिना अपना जादू चलाने में मदद मिलती है। यह पेट फूलना और अन्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल असुविधा से राहत दिलाने में भी मदद कर सकता है।

वजन प्रबंधन

जो लोग अपना वजन घटाना चाहते हैं तो वे धनिया का जूस रोजाना पी सकते हैं। धनिया में कैलोरी कम होती है और इसमें ऐसे यौगिक शामिल होते हैं जो चयापचय में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, इसकी मूत्रवर्धक विशेषताएं विषाक्त पदार्थों और अतिरिक्त पानी के वजन को हटाने में सहायता करता है।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है

मधुमेह रोगियों और उच्च ब्लड शुगर के स्तर से पीड़ित लोगों के लिए, धनिया का जूस एक फायदेमंद अतिरिक्त हो सकता है। धनिया ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। धनिया का जूस खाली पेट पीने से पूरे दिन ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर रखने में मदद मिल सकती है।

इम्यूनिटी बूस्ट होती है

विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर धनिया आपके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। धनिया में विटामिन सी होता है, जो संक्रमण को रोकने में सहायता करता है और शरीर की रक्षा तंत्र को मजबूत करता है। इसके नियमित सेवन से सर्दी, फ्लू और आंखों की बीमारियों जैसी सामान्य बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

नॉनवेज अच्छा नहीं लगता तो खाएं ये शाकाहारी चीज, ताकत और विटामिन से भरा

कई लोगों को चिकन–मटन खाना अच्छा नहीं लगता तो ऐसे लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। नॉन वेज के बिना भी भरपूर ताकतवर और मजबूत बन सकते हैं। आप ऑयस्टर मशरूम को खाकर देखें, यह कई किस्मों में आता है और काफी स्वादिष्ट लगता है। मशरूम एक ऐसा वेजिटेरियन फूड है जो प्रोटीन के मामले में कई नॉन वेज फूड्स को कड़ी टक्कर देता है। इसे खाने से न केवल हड्डियों को मजबूती मिलती है, बल्कि यह कैंसर जैसे गंभीर रोगों के खतरे को भी कम करता है। मशरूम में मौजूद पोषक तत्व सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं इसके अद्भुत पोषक तत्वों और स्वास्थ्य लाभों के बारे में।

धूप नहीं ले पाते तो खाएं ये मशरूम

धूप से विटामिन डी मिलता है जो कैल्शियम का मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है। हड्डियों के ढांचे के साथ यह आपके कॉग्नीटिव फंक्शन को सुधारता है और दिमाग की कमजोरी से बचाता है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के मुताबिक 100 ग्राम ढींगरी मशरूम के अंदर 29 प्र विटामिन डी होता है जो कई खाद्य पदार्थों के मुकाबले ज्यादा है।

मसल्स पर चढ़ेगा मांस

मशरूम को ढींगरी मशरूम भी कहते हैं। इसमें प्रोटीन, फाइबर, नियासिन, पैंटोथेनिक एसिड होता है जो शरीर की कमजोरी दूर करता है। इसे खाने से आपको विटामिन डी भी मिलता है जो हड्डियों को पत्थर बनाने के साथ कैल्शियम का इस्तेमाल बढ़ाता है। मसल्स बढ़ाने के लिए भी मशरूम खाएं। यह मसल्स विकसित करने और रिपेयरिंग में मदद करता है। इसमें कई प्रकार के अमिनो एसिड होते हैं जिन्हें इस्तेमाल करके सेल्स का विकास होता है। अगर आप रोजाना पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन लेंगे तो आपको कमजोरी और थकावट महसूस नहीं होगी।

डायबिटिक लोगों की पसंद

एक्सपर्ट्स डायबिटीज के पेशेंट्स को ऑयस्टर मशरूम की सलाह देते हैं। शोध में देखा गया है कि मशरूम खाने से डाइट लेने के बाद ब्लड शुगर तेजी से नहीं बढ़ता। यह शुगर लेवल बढ़ाने वाले प्रोटीन को रोक देता है। जिससे डायबिटिक पेशेंट्स इस बीमारी को सफलतापूर्वक कंट्रोल कर सकते हैं।

सेल्स नहीं होंगी डैमेज

हर दिन शरीर में कई सारे मेटाबॉलिक रिएक्शन होते हैं। इस दौरान फ्री रेडिकल निकलते हैं और सेल्स को डैमेज कर सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको एंटीऑक्सीडेंट्स की जरूरत पड़ती है जो ढींगरी मशरूम देता है। एंटीऑक्सीडेंट्स इंफ्लामेशन को कम करने में भी मदद करते हैं।

ट्यूमर भी हो सकता है खत्म?

टेस्ट ट्यूब स्टडीज में मशरूम के कुछ कंपाउंड्स में ट्यूमर को खत्म करने की क्षमता पाई गई है। इन अध्ययनों में ऐसे तत्वों की पहचान की गई है जो ट्यूमर के विकास को रोकने या उसे नष्ट करने की ताकत रखते हैं। हालांकि, इन एंटी–ट्यूमर प्रभावों को लेकर इंसानों पर अभी और शोध ा किया जाना बाकी है, जिससे इस संभावना की पूरी तरह से पुष्टि हो सके। यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

कब्ज को अलविदा कहने के पुराने और असरदार घरेलू नुस्खे

आज हम एक ऐसी आम समस्या पर चर्चा करेंगे जो हर किसी को कभी न कभी परेशान करती है, कब्ज। यह न केवल आपके पेट को प्रभावित करती है, बल्कि आपकी जीवन की गुणवत्ता को भी कम कर सकती है। अगर आप भी कब्ज से जूझ रहे हैं, तो दादी–नानी के जमाने से अपनाए गए कुछ प्रभावशाली और नेचुरल घरेलू नुस्खों से राहत पा सकते हैं। जानिए कैसे ये पुराने नुस्खे आपके पेट को आराम दे सकते हैं और आपकी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

मुनक्के एक प्रभावशाली उपाय

मुनक्का कब्ज से राहत पाने के लिए एक असरदार नुस्खा हो सकता है। आचार्य श्री बालकृष्ण के अनुसार, मुनक्के का उपयोग करने से पेट की समस्याओं में सुधार हो सकता है। इसके लिए, आपको 8 ग्राम मुनक्कों को रातभर पानी में भिगोकर रखना होगा। सुबह के समय मुनक्कों के बीज निकालें और इन्हें दूध में उबालकर पिएं। यह उपाय आपके पेट की सफाई में मदद करेगा और कब्ज से राहत प्रदान करेगा।

बेल का शरबत

आयुर्वेद में बेल का शरबत कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय माना गया है। बेल के फल में अनेक पोषक तत्व होते हैं जो गट हेल्थ को सुधारने में मदद करते हैं। एक हाफ कप बेल के गूदे को एक चम्मच गुड़ के साथ मिलाकर सेवन करने से पेट की समस्याओं में राहत मिल सकती है। इसे नियमित रूप से सेवन करने से गट हेल्थ में सुधार हो सकता है।

जीरा और अजवाइन

जीरा और अजवाइन, दोनों ही औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं और दादी–नानी के जमाने से पेट की समस्याओं के इलाज में उपयोग किए जाते हैं। इन दोनों को हल्की आंच पर भून लें और फिर इन्हें पीसकर काला नमक मिलाएं। इस मिश्रण की आधी चम्मच को गुनगुने पानी में मिलाकर पिएं। यह उपाय कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करेगा और पेट को आराम देगा।

पानी पीने का सही तरीका

पानी पीने का तरीका भी आपकी सेहत पर असर डाल सकता है। गिलास में पानी पीना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि इससे पानी का सेवन धीमे और नियमित रूप से होता है, जिससे पेट की समस्याओं में राहत मिल सकती है। बोतल से पानी पीने के मुकाबले गिलास से पानी पीने की आदत डालें और इसे नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

अंजीर

अंजीर कब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए एक प्रभावशाली घरेलू उपाय हो सकता है। इसके लिए, आपको रात भर अंजीर को पानी में भिगोकर रखना चाहिए। सुबह उठकर, इस भिगोई हुई अंजीर को खाली पेट सेवन करें। अंजीर फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो आंत्र की गति को बढ़ाते हैं और पेट की सफाई में मदद करते हैं। नियमित रूप से इस उपाय को अपनाने से कब्ज की समस्या में सुधार देखा जा सकता है और आपका पाचन तंत्र भी बेहतर हो सकता है। इन सरल और प्रभावी घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप कब्ज की समस्या से राहत पा सकते हैं और अपनी सेहत को सुधार सकते हैं। हमेशा ध्यान रखें कि किसी भी उपाय को अपनाने से पहले अपनी सेहत की स्थिति के बारे में चिकित्सक से सलाह लें।

ड्राई स्किन होगी कोमल बस इस तरह से बादाम का इस्तेमाल चेहरे पर करें

बादाम पोषण के लिहाज से बहुत अच्छा माना जाता है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। गौरतलब है कि बादाम गुणों की खान है। इसके सेवन से शरीर को कई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स प्राप्त होते है। सेहत के साथ ही स्किन के लिए काफी फायदेमंद है। आमतौर पर कुछ लोग बादाम का तेल से चेहरे पर मालिश करते हैं। हालांकि, अगर आपके पास बादाम का तेल नहीं तो बादाम का फेस पैक बना सकते हैं। इस फेस पैक को चेहरे पर अप्लाई करने से स्किन ग्लो करने लगती है। चेहरे पर बादाम का पैक लगाने से फाइन लाइंस और रिंकल को भी दूर करता है। इतना ही नहीं, स्किन के एजिंग प्रोसेस को रोकता है जिससे स्किन को यंग दिखने में मदद मिलती है। जानें ऑयली और ड्राई स्किन पर कैसे लगाएं बादाम।

ऑयली स्किन के लिए बादाम का प्रयोग कैसे करें

ऑयली स्किन से परेशान लोगों को बादाम के तेल से बना फेस पैक चेहरे पर लगाएं। फेस पैक बनाने के लिए आप एक से दो बादाम को रातभर पानी में भिगो दें। अगली सुबह इस बादाम को पीसकर पेस्ट तैयार करें। दही में बादाम के पेस्ट को मिलाकर फेस पैक बनाएं और फिर चेहरे पर अप्लाई करें। 10–15 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें।

दही बादाम फेस पैक लगाने का फायदा

जिन लोगों की ऑयली स्किन होती है उनके पिंपल और एक्ने जल्दी निकलते हैं और चेहरा डल दिखता है। दही के साथ मिलाकर बादाम लगाने से न केवल पिंपल का निकलना कम होता है बल्कि तैलीय त्वचा नहीं दिखाई देती और खिला–खिला चेहरा नजर आता है।

ड्राई स्किन के लिए बादाम सबसे अच्छा है

ड्राई स्किन के लिए काफी फायदेमंद है बादाम। चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइन्स भी बादाम के फेस पैक दूर हो जाती है। बादाम के इस्तेमाल से स्किन ग्लोइंग और यंग बनाने में मदद करता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए भीगे बादाम को ओट्स और दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करें और चेहरा को साफ करें। ऐसा करने से आपके चेहरे की डेड स्किन रिमूव

संक्षिप्त

सोना 119 रुपये बढ़कर 110298 प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 119 रुपये बढ़कर 1,10,298 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गई। मजबूत वैश्विक संकेतों के कारण निवेशकों ने इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से पहले अपनी स्थिति मजबूत कर ली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलीवरी वाले सोना वायदा अनुबंध का भाव 0.10 प्रतिशत बढ़ा। पिछले सत्र में यह अनुबंध 1,10,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर को छू गया था। इसी प्रकार, एमसीएक्स पर दिसंबर अनुबंध 109 रुपये बढ़कर 1,11,346 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। यह सोमवार को 1,11,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया था। विशेषज्ञों के अनुसार, सोने की कीमतों में तेजी बनी रही, क्योंकि व्यापारियों ने 17 सितंबर को फेड द्वारा नीतिगत निर्णय में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद जताई थी। साथ ही वे वर्ष के बाकी समय में आगे भी मौद्रिक नीति में ढील के संकेतों की उम्मीद कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दिसंबर डिलीवरी के लिए सोने का वायदा भाव 3,728.32 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह अमेरिका की ढीली मौद्रिक नीति की उम्मीदों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच सुरक्षित–संपत्तियों की निरंतर मांग से प्रेरित था। एक विशेषज्ञ ने कहा कि हाल के हफ्तों में सोने में निवेशकों की गहरी दिलचस्पी देखी गई है और घरेलू व विदेशी बाजारों में कीमतें कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं। व्यापारियों का कहना है कि उच्च स्तर पर कुछ मुनाफावसूली की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन कुल मिलाकर रुझान सकारात्मक बना हुआ है।

खुदरा सप्लाई चेन जीएसटी सुधारों से मिली छूटों का प्रमुखता से विज्ञापन करें, वाणिज्य मंत्रालय का निर्देश

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने हाल ही में जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के कारण खुदरा शृंखलाओं को मिली छूट को प्रमुखता से प्रदर्शित करने और विज्ञापन देने का निर्देश दिया है।भारतीय खुदरा विक्रेता संघ को भेजे गए पत्र में उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कहा कि खुदरा विक्रेताओं को रसीद/बिल में जीएसटी कटौती को जीएसटी छूट के रूप में दर्शाना चाहिए और अधिक प्रभाव वाले उत्पादों पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। निर्देश में कहा गया, अपने नेटवर्क के माध्यम से 'जीएसटी के कारण छूट' को प्रमुखता से प्रदर्शित और विज्ञापित करें। इसके लिए वे अपने खुदरा नेटवर्क के माध्यम से पोस्टर/फ्लायर्स और विज्ञापन (प्रिंट, टीवी और ऑनलाइन) का इस्तेमाल करें। विभाग ने यह भी सुझाव दिया है कि इस त्यौहारी सीजन के दौरान बिक्री के आंकड़ों पर नजर रखी जाए और विभिन्न माध्यमों से उन्हें उजागर किया जाए। 22 सितंबर को नवरात्रि के पहले दिन से जीएसटी में बदलाव लागू होने पर साबुन से लेकर कार, शैंपू से लेकर ट्रैक्टर और एयर कंडीशनर तक लगभग 400 उत्पादों की कीमतें कम होंगी। 22 सितंबर से जीएसटी स्लैब की संरचना बदल जाएगी। आम इस्तेमाल की वस्तुओं पर 5 प्रतिशत और बाकी सभी वस्तुओं पर 18 प्रतिशत का कर लगेगा। नई व्यवस्था में 12 और 28 प्रतिशत की मौजूदा दरें समाप्त कर दी गई हैं। नए जीएसटी ढांचे में, अधिकांश दैनिक खाद्य और किराना वस्तुएं 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के तहत आएंगीं। ब्रेड, दूध और पनीर पर कोई कर नहीं लगेगा। केंद्रीय सरकार द्वारा 3 सितंबर को घोषित व्यापक जीएसटी सुधारों के तहत दवाओं पर टैक्स या तो पूरी तरह से छूट दिया गया है या सबसे निचली स्लैब पर लाया गया है। इससे स्वास्थ्य देखभाल में आम लोगों को बड़ा फायदा होगा। सरकारी उपायों के बाद यह सवाल उठना स्वाभाविक था कि 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी दरों से पहले सप्लाई चौन में मौजूद दवाओं का क्या होगा। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए)ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता उन दवाओं पर भी राहत का लाभ उठा सकेंगे जो नई दरों के लागू होने से पहले ही निर्मित हो चुकी थीं और दवा की दुकानों पर उपलब्ध हैं। इससे दवाओं की कीमतों में आम लोगों के लिए वास्तविक राहत मिलने की उम्मीद है और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में खर्च में कमी आएगी।

अक्तूबर-दिसंबर में आरबीआई कर सकता है दरों में 25 आधार अंकों की कटौती, मॉर्गन स्टेनली ने किया दावा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक अक्तूबर और दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास अब मौद्रिक ढील की गुंजाइश है, क्योंकि महंगाई लक्ष्य से नीचे बनी है।

सीपीआई का औसतन 2.4ः रहने का अनुमान

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति औसतन 2.4 प्रतिशत रहेगी। यह आरबीआई के 4 प्रतिशत के मुद्रास्फीति लक्ष्य से काफी कम है।

सीपीआई पिछले सात महीनों में 4 प्रतिशत से नीचे रही

इसमें यह भी कहा गया है कि खाद्य कीमतों में गिरावट, हाल ही में जीएसटी दरों में कटौती और इनपुट कॉस्ट पर दबाव की कमी से डिसइन्फ्लेशनरी रुझान और तेज हो सकते हैं। मुख्य सीपीआई आधारित महंगाई पिछले सात महीनों से आरबीआई के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे बनी हुई है। इसका मुख्य कारण खाद्य कीमतों में नरमी को बताया गया है।

कोर महंगाई 4.2 प्रतिशत पर बनी हुई है

रिपोर्ट के अनुसार, कोर इंफ्लेशन 4.2 प्रतिशत पर सीमित दायरे में रहा है, जबकि कोर–कोर इंफ्लेशन 3.1 प्रतिशत पर है और पिछले 22 महीनों से 4 प्रतिशत से नीचे बना हुआ है। यह संकेत है कि देश में अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबावों में लगातार नरमी जारी है।

भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी का नया प्रायोजक होगा 'अपोलो टायर्स', BCCI के साथ 2027 तक का हुआ करार!

मुंबई। ड्रीम11 के बाहर होने के बाद अपोलो टायर्स भारतीय क्रिकेट टीम का नया प्रायोजक बना है। इस बात की जानकारी बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को मंगलवार को दी। हालांकि, बोर्ड ने अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अपोलो टायर्स के साथ करार हो गया है। हम इसे जल्द ही आधिकारिक तौर पर घोषित करेंगे।

इनके भी बोली में शामिल होने की चर्चा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपोलो टायर्स का बीसीसीआई के साथ साल 2027 तक का करार हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस नए डील के तहत अपोलो टायर्स बीसीसीआई को प्रति मैच 4.5 करोड़ रुपये का भुगतान करेगा, जो ड्रीम11 के पहले के चार करोड़ रुपये प्रति मैच से अधिक है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अपोलो टायर्स के अलावा कैनवा और जेके टायर बोली लगाने वाली दो अन्य कंपनियां रहीं। इसके अलावा, बिड़ला ऑप्टस पेंट्स निवेश करने के लिए उत्सुक तो दिख रही थी, लेकिन बोली प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहती थी।

बीसीसीआई ने मंगाए थे आवेदन

दो सितंबर को बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मुख्य प्रायोजक अधिकारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे और बोली प्रक्रिया मंगलवार को हुई। बीसीसीआई ने नियम बताते हुए कहा था कि गेमिंग, सट्टेबाजी, क्रिप्टो और तंबाकू ब्रांडों को बोली प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे में आने वाले समय में अब भारतीय जर्सी पर अपोलो टायर्स लिखा हुआ दिखेगा।

अपोलो टायर्स को मिल सकती है पहचान

आने वाले समय में भारत के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर को देखते हुए इस साझेदारी से अपोलो टायर्स को वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान मिलेगी। यह करार हाल के वर्षों में भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े और सबसे फायदेमंद स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट्स में से एक माना जा रहा है।

बिना प्रायोजक के उतरी भारतीय टीम

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम यूएई में चल रहे एशिया कप में बिना किसी जर्सी प्रायोजक के उतरी है, जबकि महिला टीम भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में बिना किसी प्रायोजक के खेल रही है। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आगामी महिला विश्व कप के लिए महिला टीम अपनी जर्सी पर नए प्रायोजक को प्रदर्शित करेगी या नहीं। महिला वनडे विश्व कप की शुरुआत 30 सितंबर से हो रही है। भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से इसका मेजबान है।

ड्रीम–11 ने ली थी बायजू की जगह

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) और अपोलो टायर्स का करार ऐसे समय में हुआ है, जब बीसीसीआई ने ड्रीम11 के साथ अपना अनुबंध को खत्म कर दिया था। ड्रीम11 से यह अनुबंध इसलिए समाप्त किया गया क्योंकि यह एक बेटिंग–संबंधित एप है, जिस पर हाल ही में बैन लगा दिया गया। इस वजह से 358 करोड़ रुपये का करार समय से पहले ही खत्म हो गया था। यह करार 2023 में तीन साल की अवधि के लिए हुआ था। हाल ही में पारित श्ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025श के कारण ड्रीम–11 ने अनुबंध से बाहर निकलने का फैसला किया। ड्रीम–11 ने 2023 में बायजू (ठलरन') की जगह ली थी।

जस्मीन वालिया के बाद अब इस खूबसूरत हसीना को डेट कर रहे हैं हार्दिक पंड्या, 33 नंबर से खुला राज

टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अपने खेल के लिए तो सुर्खियों में रहते ही हैं लेकिन उससे ज्यादा वो अपने निजी जिंदगी को लेकर चर्चाओं में बने रहते हैं। नताशा स्टेनकोविक से तलाक के बाद हार्दिक पंड्या का नाम जेस्मिन वालिया से जुड़ा लेकिन अब वर्तमान में उनके लिंकअप की खबरें एक बार फिर से हैं। दरअसल, इस बार हार्दिक पंड्या की जिंदगी में एक नई लड़की की एंट्री हुई है। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है जिसमें एक मॉडल ने अपने हाथों में 33 नंबर लिखा है जो कि हार्दिक पंड्या की जर्सी का नंबर है। यहीं नहीं उनकी सेल्फी में एक शख्स नजर आ रहा है जो बताया जा रहा है कि हार्दिक पंड्या है। वहीं मॉडल का नाम माहिका शर्मा है जो पेशे से मॉडल हैं।

कौन हैं माहिका शर्मा?

माहिका शर्मा एक उभरती हुई मॉडल हैं जो कि भारतीय फैशन का जाना–माना नाम बनती जा रही हैं। प्रोफेशनल मॉडल बनने से पहले माहिका ने इकोनॉमिक्स और फाइनेंस की डिग्री भी हासिल की है। माहिका ने वीडियो सॉन्ग्स और कई बड़े विज्ञापनों में का किया है। फैशन की दुनिया में माहिका कई बड़े फैशन डिजाइनर्स के साथ कम कर चुकी हैं जिनमें मनीष मल्होत्रा, अनीता डोंगरे और तरुण तहिलियानी शामिल हैं। साल 2024 में उन्होंने इंडियन फैशन अवॉड्र्स में मॉडल ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता था। जिस तरह हार्दिक पंड्या मुश्किल परिस्थितियों में भी काफी ज्यादा आत्मविश्वास में नजर आते हैं, कुछ वैसी ही माहिका भी हैं। साल 2024 में एक फैशन इवेंट के दौरान उनकी आंखों में गंभीर एलर्जी हो गई थी लेकिन इसके बावजूद वो आत्मविश्वास से रैंप वॉक करती नजर आईं। गौरव गुप्ता के एक शो के दौरान रैंप पर चलते हुए उनकी एड़ी टूट गई थी लेकिन इसके बावजूद वो नहीं घबराईं और वो वॉक करती रहीं।

वर्ल्ड कप से पहले स्मृति मंधाना का धमाका, बनीं दुनिया की नंबर-1 बल्लेबाज

आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप का आगाज 30 सितंबर से हो रहा है। लेकिन उससे पहले ही स्मृति मंधाना ने वर्ल्ड नंबर वन बल्लेबाज बनकर धमाका कर दिया है। वो वनडे में महिला बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बनीं हैं। इस मामले में उन्होंने इंग्लैंड के नैट सिवर को पछाड़ दिया है। मंधाना से पिछड़ने के बाद नैट सिवर अब दूसरे नंबर पर आ गई हैं। आईसीसी की महिला वनडे बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग में हैरानी की बात ये है कि मंधाना को छोड़कर और कोई भी भारतीय बल्लेबाज टॉप 10 में नहीं है। स्मृति मंधाना को वनडे की नंबर वन बल्लेबाज बनाने में उनकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में खेली पारी बड़ी भूमिका रही है।

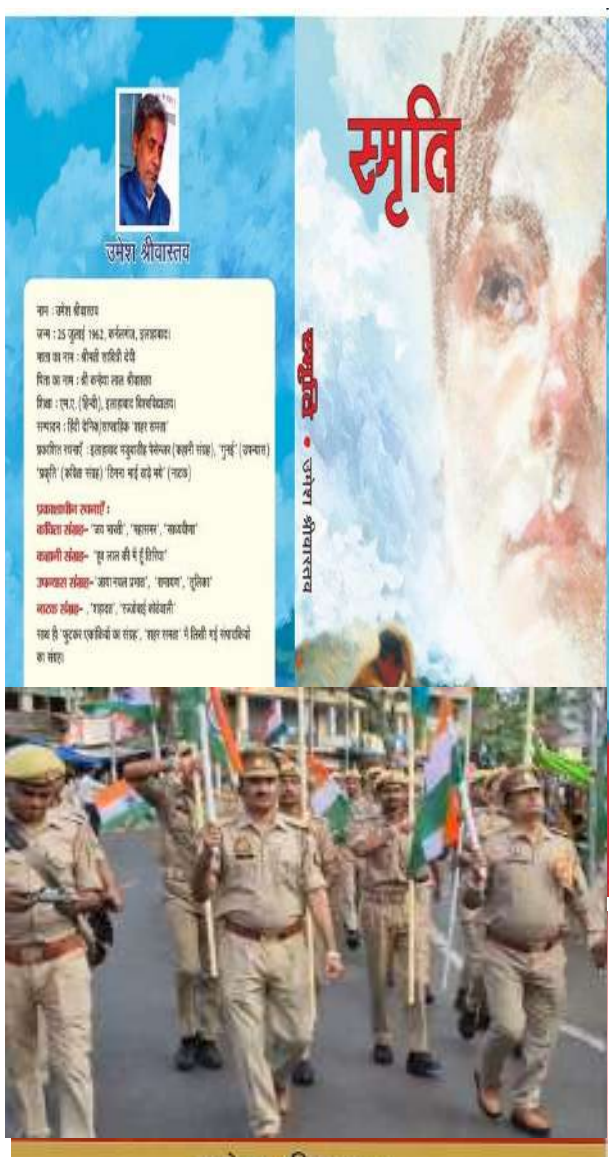

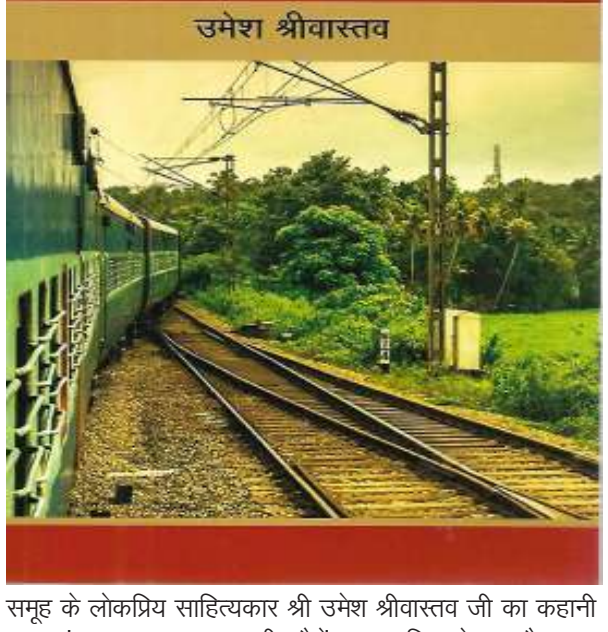

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

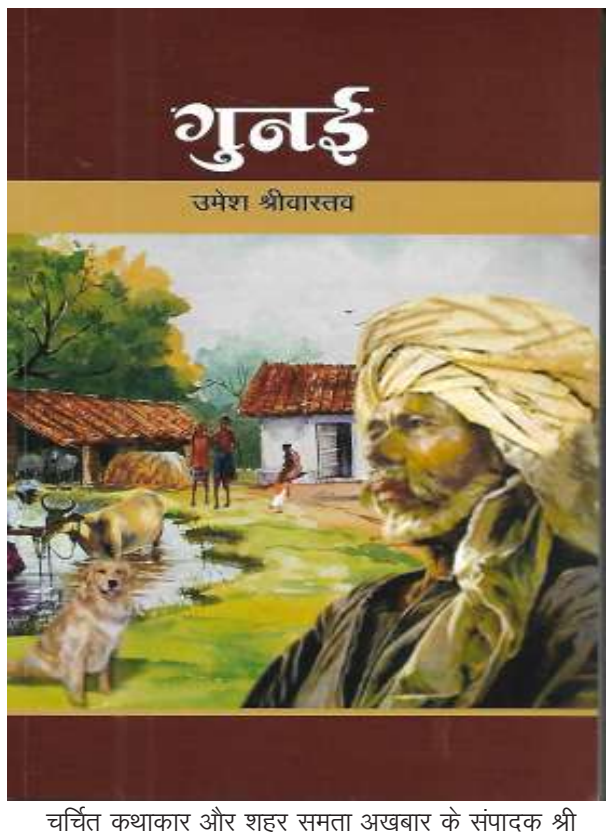

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

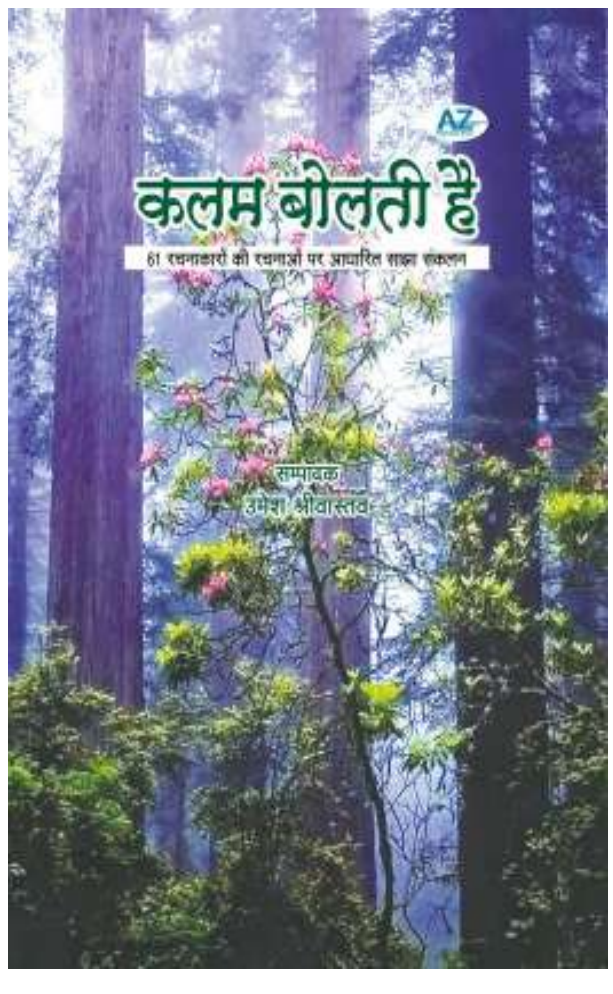

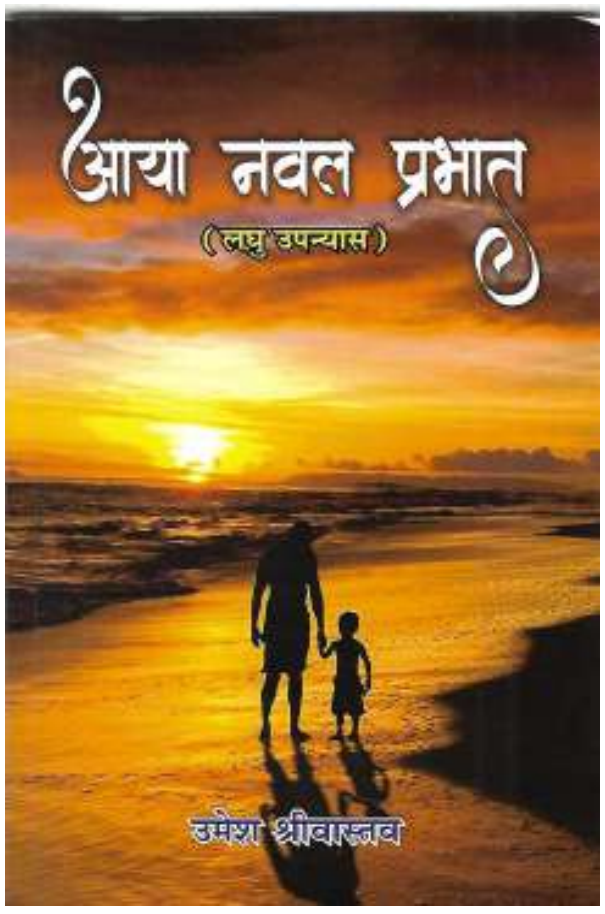

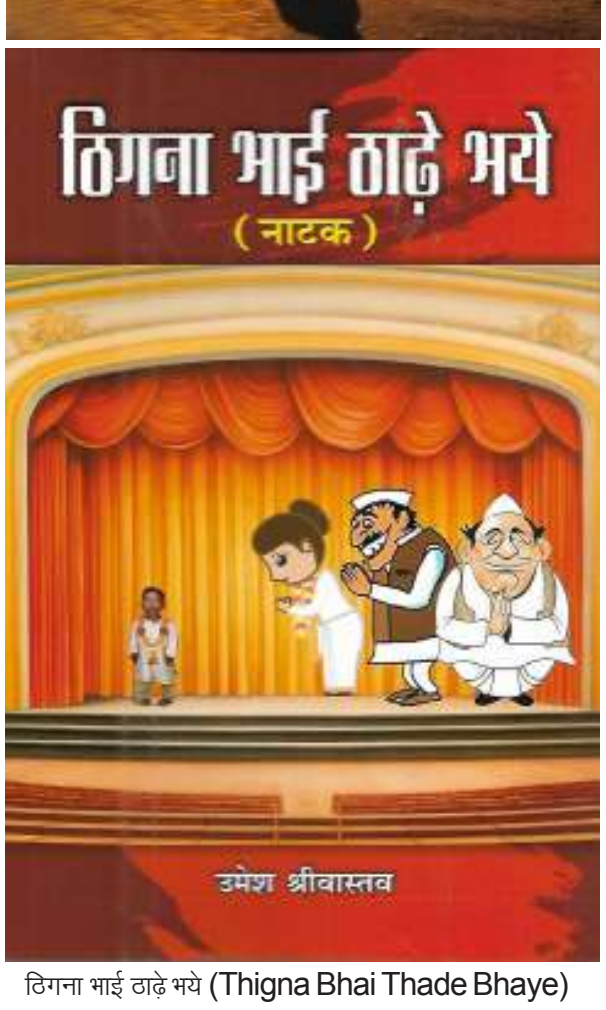

संक्षिप्त

म्यांमार में बोर्डिंग स्कूल के 19 छात्र सैन्य हवाई युद्ध में मरे

एक जातीय मिलिशिया (अराकान आर्मी) की तरफ से जारी बयान के मुताबिक पिछले हफ्ते एक बोर्डिंग स्कूल पर म्यांमार की सेना के हवाई हमले में –19 छात्र मारे गए। मृतकों की उम्र 15 से 21 वर्ष थी। संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी यूनिसेफ ने भी कहा कि म्यांमार के अशांत रखाइन प्रांत के क्याउक्तों टाउनशिप स्थित बोर्डिंग स्कूल में बच्चे मारे गए और घायल हुए। उसने मृतक संख्या नहीं बताई। बता दें, म्यांमार की सत्तारूढ़ सेना ने दिसंबर में प्रस्तावित चुनाव से पहले नियंत्रण अभियान तेज कर दिया है। यूनिसेफ ने कहा, यह हमला रखाइन प्रांत में बढ़ती विनाशकारी हिंसा की प्रवृत्ति को और बढ़ाता है, जिसकी अंतिम कीमत बच्चों और परिवारों को चुकानी पड़ रही है। राष्ट्रीय एकता सरकार ने कहा कि पिछले महीने सेना द्वारा देश भर में किए गए लगभग 500 हवाई हमलों में 40 से ज्यादा बच्चे मारे गए और 15 स्कूल प्रभावित हुए। बांग्लादेश की सीमा से लगे रखाइन प्रांत में सेना और तटीय क्षेत्र के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग करने वाली अराकान आर्मी के बीच महीनों से भीषण लड़ाई चल रही है। यह लंबे समय से म्यांमार का सबसे अशांत राज्य रहा है।

मस्क की स्टारलिंक सेवा रुकने से यूक्रेनी अग्रिम पंक्ति प्रभावित

अमेरिकी अरबपति और इंटरनेट सेवा प्रदाता स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक सेवा सोमवार को कुछ देर तक बाधित होने के बाद फिर चालू हो गई। ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, दोपहर बाद अधिकांश उपयोगकर्ताओं के लिए यह चालू हो गई। 12रू35 बजे तक अमेरिका में 43,000 से ज्यादा यूजर्स प्रभावित हुए। इस बाधा ने रूस के साथ चल रहे युद्ध में यूक्रेन की अग्रिम पंक्ति को भी प्रभावित किया। यूक्रेन के ड्रोन बलों के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवडी ने बताया कि स्टारलिंक की रुकावट ने सुबह 7रू28 बजे से रूस के साथ युद्ध की पूरी अग्रिम पंक्ति पर असर डाला। इससे यूक्रेनी सेनाओं के युद्ध संचार व ड्रोन अभियान प्रभावित हुए।

प्रोबेशन पर कार्यरत कर्मचारियों को बर्खास्त करना अवैध, जिला जज की कोर्ट से ट्रंप को बड़ा झटका

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में जिला न्यायाधीश विलियम अल्सप ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका दिया है। उन्होंने कहा कि यूएस ऑफिस ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (व्व्ड) ने संघीय एजेंसियों की शक्ति का अतिक्रमण करते हुए बड़े पैमाने पर प्रोबेशन पर कार्यरत कर्मचारियों की बर्खास्तगी कराई, जो अवैध था। जनवरी 2017 के बाद 25,000 से अधिक कर्मचारियों को निकाला गया था। अदालत ने कहा कि उन्हें गलत तरीके से खराब प्रदर्शन का हवाला देकर हटाया गया। हालांकि समय बीतने के कारण बहाली संभव नहीं, लेकिन एजेंसियों को उनके रिकॉर्ड सुधारने और पत्र भेजकर सूचित करने का आदेश दिया गया कि उन्हें प्रदर्शन आधार पर नहीं हटाया गया था।

ब्रिटेन में चीन के लिए जासूसी का आरोप झेल रहे दो लोगों पर से केस हटा

ब्रिटेन में चीन के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए गए दो लोगों के खिलाफ चल रहे आपराधिक केस को अब बंद कर दिया गया है। अभियोजन पक्ष ने कहा है कि उनके पास पर्याप्त सबूत नहीं हैं, इसलिए अब दोनों आरोपियों पर मुकदमा नहीं चलेगा। इन दो लोगों में एक हैं क्रिस्टोफर कैश जो ब्रिटिश संसद में शोधकर्ता थे और चाइना रिसर्च ग्रुप का नेतृत्व करते थे। दूसरे हैं क्रिस्टोफर बेरी, जो ऑक्सफोर्डशायर में एक अकादमिक (शिक्षाविद्) हैं और 2015 से चीन में पढ़ा चुके हैं।

क्या थे आरोप?

इन दोनों पर अप्रैल 2024 में केस दर्ज हुआ था। आरोप था कि इन्होंने 2021 के अंत से लेकर फरवरी 2023 के बीच ऐसी जानकारी या दस्तावेज़ दिए जो ब्रिटेन की सुरक्षा के खिलाफ और दुश्मन के लिए फायदेमंद हो सकते थे। आरोप था कि दोनों एक–दूसरे और एक संदिग्ध चीनी खुफिया एजेंट के संपर्क में थे। इनका ट्रायल अगले महीने लंदन के केंद्रीय आपराधिक न्यायालय में शुरू होने वाला था, जो लगभग छह हफ्ते चलता। लेकिन अब केस को सबूतों की कमी के चलते बंद कर दिया गया है।

अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला से आ रही एक और नाव पर हमला किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सेना ने एक बार फिर वेनेजुएला से आ रही एक संदिग्ध नाव को निशाना बनाकर हमला किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। दावा किया गया है कि यह नाव अवैध ड्रग्स लेकर अमेरिका की ओर बढ़ रही थी। ट्रंप ने यह जानकारी अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर दी और लिखा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुआ, जब ये वेनेजुएला के ड्रग तस्कर अमेरिका की तरफ जानलेवा नशीली दवाइयां लेकर आ रहे थे। ये खतरनाक ड्रग कार्टेल्स अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और हमारे अहम हितों के लिए खतरा हैं।

फ्री नश्वर्थ कोरिया रेडियो के संस्थापक किम सियोंग मिन का निधन

दक्षिण कोरिया के मशहूर रेडियो प्रसारक किम सियोंग मिन का 63 साल की उम्र में निधन हो गया। किम सियोंग मिन ने रेडियो प्रसारण, यूएसबी स्टिक और सूत्रों के नेटवर्क की मदद से उत्तर कोरियाई जनता को उनकी सत्तावादी सरकार की सच्चाई बताई। किम सियोंग उत्तर कोरिया के निवासी थे, लेकिन वे भागकर दक्षिण कोरिया पहुंच गए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

गाजा पट्टी के बाद अब गाजा सिटी निशाने पर, इजरायल ने कहर बरपाया, मानवीय संकट गहराया

इज़रायल ने गाज़ा सिटी पर ज़मीनी सैन्य अभियान शुरू कर दिया है। यह वही शहर है जिसे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास का सबसे बड़ा गढ़ बताया था और जिसके कब्ज़े का आदेश उन्होंने पिछले महीने दिया था। रिपोर्टों के मुताबिक लगातार बमबारी और नाकेबंदी के बीच अब इज़रायली सेना शहर के भीतर प्रवेश कर रही है। इस बीच, रक्षा मंत्री इज़रायल काट्ज़ का बयानकृ "गाज़ा जल रहा है" कृ युद्ध की क्रूरता को और स्पष्ट करता है। हम आपको बता दें कि गाज़ा पट्टी पहले से ही गंभीर मानवीय संकट से गुजर रही है। 64,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं और लाखों विस्थापित हो चुके हैं। भोजन और पानी की भारी कमी है, जबकि संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि यह 'युद्ध' अब 'भुखमरी' और 'सामूहिक विस्थापन' का रूप ले रहा है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि कई लोगों की मौत भूख और कुपोषण से हो रही है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले सप्ताह इज़रायल ने क़तर की राजधानी दोहा में हमास नेताओं को निशाना बनाकर एक बड़ा हवाई हमला किया था। यह कदम केवल क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाने वाला साबित हुआ। क़तर और अरब–इस्लामी देशों ने इसे 'कायराना और विश्वासघाती हमला' कहा। दोहा सम्मेलन में कई देशों ने इज़रायल के साथ कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों पर पुनर्विचार का आह्वान भी किया। लेकिन इस राजनीतिक दबाव के बावजूद, अमेरिका का रुख द्वंद्वपूर्ण दिखाई देता है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने नेतन्याहू के साथ खड़े होकर साफ कहा कि युद्ध का अंत तभी होगा जब हमास सभी बंधकों को रिहा कर आत्मसमर्पण करेगा। यह अमेरिका की उस "कूटनीतिक समाधान" की बात को लगभग नकार देता है, जिसे सार्वजनिक मंचों पर दोहराया जाता है।

देखा जाये तो इज़रायल का सैन्य अभियान केवल गाज़ा तक सीमित नहीं है। दोहा में हमला इस बात का संकेत है कि युद्ध अब पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता को प्रभावित कर रहा है। मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की जैसे देश चेतावनी दे रहे हैं कि ऐसे हमले शांति प्रक्रिया को पूरी तरह समाप्त कर सकते हैं। ऐसे में नेतन्याहू का संकेत कि इज़रायल भविष्य में वेस्ट बैंक पर भी संप्रभुता बढ़ा सकता है, पहले से ही तनावग्रस्त क्षेत्र को और अस्थिर बना देगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि गाज़ा की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि यह संघर्ष अब केवल हमास और इज़रायल तक सीमित नहीं रहा। यह पूरे मध्य–पूर्व की भू–राजनीतिक स्थिरता, अरब–इज़रायल संबंधों और वैश्विक कूटनीति की परीक्षा बन चुका है। मानवीय त्रासदी की गहराई यह बताती है कि हिंसा के बल पर समाधान संभव नहीं। यदि क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियाँ समय रहते हस्तक्षेप कर एक वास्तविक राजनीतिक समाधान नहीं खोजतीं, तो यह संघर्ष एक स्थायी ज्वालामुखी बनकर पूरी दुनिया को अपनी लपटों में ले सकता है।

दूसरी ओर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की हालिया इज़रायल यात्रा को लेकर अंतरराष्ट्रीय जगत में उम्मीद जगी थी कि शायद गाज़ा संकट का कोई समाधान निकल सके। लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल उलट सामने आई। रुबियो खुले तौर पर नेतन्याहू के साथ खड़े नज़र आए और उनका रुख यह संकेत देता रहा कि अमेरिका फिलहाल इज़रायल की कठोर नीतियों पर ही सहमति जता रहा है। यहाँ सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि डोनाल्ड ट्रंप की उस विवादास्पद सोच की चर्चा फिर से होने लगी है, जिसके अनुसार गाज़ा के युद्धग्रस्त तटीय क्षेत्र को भविष्य में "रिवेयरा" यानी एक आलीशान पर्यटक स्वर्ग में बदला जा सकता है। यदि यह विचार अमेरिकी विदेश मंत्री की यात्रा के साथ जोड़कर देखा जाए, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या वाकई गाज़ा की त्रासदी को केवल भू–राजनीतिक गणित और व्यापारिक मुनाफे के चश्मे से देखा जा रहा है?

आज गाज़ा में लाखों लोग भूख, बेघरपन और बमबारी की विभीषिका झेल रहे हैं। 64 हज़ार से अधिक जानें जा चुकी हैं। ऐसे समय में किसी भी बड़े राष्ट्राध्यक्ष या कूटनीतिज्ञ का ध्यान मानवीय सहायता, युद्धविराम और स्थायी राजनीतिक समाधान पर होना चाहिए। लेकिन जब चर्चा "खाली ज़मीन" और "रिवेयरा" जैसी योजनाओं तक पहुँच जाए, तो यह पूरे संघर्ष की नैतिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। रुबियो का दौरा इस संदेश को और पुष्ट करता है कि वाशिंगटन का झुकाव मानवीय संकट को हल करने से अधिक इज़रायल की भू–रणनीतिक आकांक्षाओं और ट्रंप की संभावित व्यावसायिक सोच की ओर है। यह न केवल अरब जगत में गहरी नाराज़गी को जन्म देगा बल्कि पूरी दुनिया के सामने अमेरिका की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठाएगा। देखा जाये तो गाज़ा की त्रासदी केवल युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि यह इस बात का आईना है कि 21वीं सदी की वैश्विक राजनीति में मानव जीवन से अधिक महत्व सत्ता और पूँजी को दिया जा रहा है। यदि गाज़ा को "रिवेयरा" में बदलने की कल्पना सच होती है, तो यह केवल फ़िलिस्तीनी जनता की पीड़ा का अपमान ही नहीं बल्कि आधुनिक सभ्यता की नैतिक असफलता भी होगी।

उधर, गाज़ा युद्ध अब उस भयावह मोड़ पर पहुँच गया है जहाँ इज़रायल की सेना केवल हमास के ठिकानों तक सीमित नहीं रह गई, बल्कि उसने गगनचुंबी इमारतों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। गाज़ा सिटी की सबसे ऊँची 16 मंज़िला इमारत का ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि युद्ध अब केवल सैन्य टकराव नहीं बल्कि शहर की स्मृति और पहचान को भी मिटाने का प्रयास बन गया है। ऊँची इमारतें किसी भी शहर की सांस्कृतिक व आर्थिक धड़कन मानी जाती हैं। इन्हें गिराना महज़ सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि जनता पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति है। जब किसी समुदाय की "ऊँचाई" और "आधुनिकता" के प्रतीक को जड़ से मिटा दिया जाता है, तो यह संदेश दिया जाता है कि उनके पास भविष्य निर्माण का कोई आधार नहीं बचा। इमारतों में केवल दफ़्तर या सुविधाएँ ही नहीं थीं, बल्कि उनमें विस्थापित परिवार शरण लिए हुए थे। इस तरह का हमला सीधे–सीधे आम नागरिकों को और असुरक्षित करता है। पहले घर ढहे, फिर तंबू जले और अब शहर की ऊँची इमारतें भी जमींदोज़कृ यह मानवीय संकट को और गहराता है। गगनचुंबी इमारतों को निशाना बनाने का यह पैटर्न बताता है कि इज़रायल गाज़ा को पूरी तरह से "रिवर्स–अर्बनाइज़" यानी शहर से खंडहर में बदल देना चाहता है। यह केवल युद्धनीति नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक भू–राजनीतिक संदेश भी हैरू "गाज़ा अब एक शहर नहीं, बल्कि एक नियंत्रित ज़ोन होगा।"

बहरहाल, गगनचुंबी इमारतों का ढहाया जाना स्पष्ट करता है कि गाज़ा का युद्ध सिर्फ़ हमास को हराने के लिए नहीं, बल्कि गाज़ा की सामूहिक पहचान को मिटाने और वहाँ की जनता को स्थायी विस्थापन की ओर धकेलने का प्रयास है। सवाल यह है कि क्या अंतरराष्ट्रीय समुदाय केवल आँकड़े गिनते हुए यह तमाशा देखता रहेगा, या फिर यह स्वीकार करेगा कि यह सिर्फ़ युद्ध नहीं, बल्कि शहर और सभ्यता का सुनियोजित विनाश है।

डोनाल्ड ट्रंप के बड़बोले चेले पीटर नवारो ने उगला जहर, बोले- `भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है'

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीतः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने सोमवार को टैरिफ और व्यापार समझौते को लेकर भारत पर अपने हमले जारी रखते हुए कहा कि भारत पर सबसे ज़्यादा टैरिफ हैं। नवारो की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत–अमेरिका संबंधों को महत्वपूर्ण बताया है। राजधानी दिल्ली में भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के बीच व्यापार वार्ता से पहले व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा है कि भारत 'बातचीत की मेज पर आ रहा है।' उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि दुनिया के प्रमुख देशों की तुलना में भारत सबसे ज्यादा शुल्क लगाता है। उनकी यह टिप्पणी डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच की मंगलवार को प्रस्तावित भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर दिन भर चलने वाली वार्ता से पहले आई है। नवारो ने सोमवार को 'सीएनबीसी' को दिए साक्षात्कार में कहा, 'भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है... शुल्क का महाराजा।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक 'बहुत ही सौहार्दपूर्ण, अच्छा, रचनात्मक' ट्वीट किया था। वे भारत में जो कुछ भी करते हैं, राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप ने उस पर प्रतिक्रिया दी है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत और अमेरिका स्वाभाविक साझेदार हैं और दोनों पक्षों की टीमें द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रही हैं। उनका सोशल मीडिया पोस्ट ट्रंप की उस टिप्पणी के जवाब में आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच 'व्यापार बाधाओं' को दूर करने के प्रयास जारी हैं। नवारो ने कहा, ''हम देखेंगे कि यह कैसे काम करता है। लेकिन व्यावहारिक रूप से, हम जानते हैं कि व्यापार के मोर्चे पर उनके शुल्क किसी भी बड़े देश की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। उनके गैर–शुल्क अवरोध बहुत ऊंचे हैं। हमें इससे वैसे ही निपटना पड़ा जैसे हम हर दूसरे देश के साथ निपट रहे हैं जो ऐसा करता है।'' नवारो, जो अक्सर रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर निशाना साधते रहे हैं, ने कहा कि देश ने 2022 में यूक्रेन पर हमले से पहले ऐसी आपूर्ति नहीं खरीदी थी। ''हमले के तुरंत बाद भारतीय रिफाइनर रूसी रिफाइनरों के साथ मिल गए... यह 'पागलपन' है क्योंकि वे अनुचित व्यापार में हमसे पैसा कमाते हैं।'' उन्होंने दावा किया और कहा कि अमेरिकी कर्मचारी इससे प्रभावित होते हैं। नवारो ने कहा, ''फिर वे उस पैसे का इस्तेमाल रूसी तेल खरीदने के लिए करते हैं, और फिर रूसी उससे हथियार खरीदने के लिए करते हैं, और फिर हमें करदाताओं के रूप में यूक्रेन की रक्षा के लिए और अधिक भुगतान करना पड़ता है। तो यह कैसे हो सकता है?'' ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर देने के बाद, भारत और अमेरिका संबंध प्रभावित हुए हैं। अमेरिका ने भारत पर रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। भारत ने अमेरिका के इस कदम को 'अनुचित और अविवेकपूर्ण' बताया है। रूसी कच्चे तेल की खरीद का बचाव करते हुए भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' से काँप रहा जैश! मसूद अजहर के परिवार के उड़ गए चिथड़े, टॉप कमांडर ने स्वीकारा

भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ठिकानों पर श्ऑपरेशन सिंदूरश चलाए जाने के महीनों बाद, जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी ने कबूल किया है कि 7 मई को बहावलपुर कैंप पर हुए हमलों में जैश प्रमुख मसूद अजहर के परिवार के टुकड़े–टुकड़े कर दिए गए थे। वीडियो में देखा जा सकता है कि इस कबूलनामे के दौरान कश्मीरी मंच पर हथियारबंद आतंकियों से घिरा हुआ है। इससे साफ पता चलता है कि ऑपरेशन सिंदूर का डर जैश–ए–मोहम्मद के आतंकियों के मन से अभी भी खत्म नहीं हुआ है। कश्मीरी ने कहा कि 7 मई को बहावलपुर में जैश मुख्यालय – जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह पर हुए हमले में अजहर का परिवार टुकड़ों में बिखर गया था। कश्मीरी ने कहा, ष्सब कुछ कुर्बान करने के बाद 7 मई को मौलाना मसूद अजहर के परिवार को बहावलपुर में भारतीय सेना ने टुकड़े–टुकड़े कर दिया।ष यह अभियान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 25 पर्यटक मारे गए थे। बहावलपुर के अलावा, भारत द्वारा पाकिस्तान के भीतर किए गए अपने सबसे साहसिक हवाई हमले में आठ अन्य आतंकवादी स्थल मलबे में तब्दील हो गए। लाहौर से 400 किलोमीटर दूर स्थित पाकिस्तान के 12वें सबसे बड़े शहर बहावलपुर में हुए हमले में अज़हर के 10 रिश्तेदार मारे गए। इनमें उसकी बहन, उसका पति, उसका भतीजा, उसकी भतीजी और उसके परिवार के बच्चे शामिल थे। भोर से पहले हुए इस हमले में अज़हर के चार सहयोगी भी मारे गए। उपग्रह चित्रों से मस्जिद के एक गुंबद को भारी क्षति और अंदर व्यापक विनाश दिखाई दिया। हालांकि पाकिस्तान ने इस तथ्य को कभी स्वीकार नहीं किया, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों और विदेशी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मई में अज़हर के परिवार के सदस्यों का राजकीय अंतिम संस्कार किया गया था। अज़हर, जो सार्वजनिक रूप से कम ही दिखाई देता है, भी कुछ देर के लिए वहाँ दिखाई दिया और कुछ ही मिनटों में वहाँ से चला गया।

ज्पाज्वा पर बन गई बात! चीन के साथ हुई व्यापार वार्ता के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने दिए बड़े संकेत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि टिकटॉक को लेकर चीन के साथ विवाद के बीच अमेरिका ने एक श्खास कंपनीश के साथ समझौता कर लिया है। श्ट्रुथ सोशलश पर एक पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि वह शुक्रवार को अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से बात करेंगे। उन्होंने पोस्ट किया कि यूरोप में संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच बड़ी व्यापार बैठक बहुत अच्छी रही! यह जल्द ही समाप्त हो जाएगी। एक खास कंपनी पर भी समझौता हुआ, जिसे हमारे देश के युवा बचाना चाहते थे। वे बहुत खुश होंगे! मैं शुक्रवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करूँगा। यह रिश्ता बहुत मज़बूत बना हुआ है!!! राष्ट्रपति डीजेटी। हालाँकि, चीन ने अभी तक ट्रम्प के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। चीनी उद्यमी झांग यिमिंग की तकनीकी फर्म बाइटडांस द्वारा विकसित टिकटॉक, अमेरिका में काफी लोकप्रिय रहा है, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने बार–बार इस ऐप के चीनी मूल को लेकर चिंता जताई है और बताया है कि चीन के कानून चीनी कंपनियों को उपयोगकर्ताओं का डेटा उन्हें सौंपने का निर्देश देते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप की घोषणा से पहले, एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने कहा था कि हालाँकि वाशिंगटन और बीजिंग टिकटॉक पर चीन के साथ एक समझौते पर पहुँचने के करीब हैं, फिर भी कई मुद्दे अभी भी श्अनसुलझेश हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा था, मुझे लगता है कि टिकटॉक सौदे के मामले में, हम बहुत करीब हैं या हमने इस मुद्दे को सुलझा लिया है। एजेंडा में स्पष्ट रूप से सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी के भाग्य को शामिल किया गया, जिसके लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, जबकि चीनी कंपनी बाइटडांस के स्वामित्व वाली एक सहयोगी ऐप घरेलू बाजार पर हावी है। विशेष रूप से, अमेरिका चाहता था कि बाइटडांस टिकटॉक से अपना विनिवेश करके बहुसंख्यक अमेरिकी स्वामित्व हासिल कर ले। अमेरिकी अधिकारियों ने पहले कहा था कि अगर चीन अन्य बिंदुओं सहित कम व्यापार शुल्क की अपनी माँगें नहीं छोड़ता है, तो वे इस लघु–वीडियो ऐप पर प्रतिबंध लगा देंगे। यह मैड्रिड में चल रही शुल्क और आर्थिक नीति पर व्यापक वार्ता के दौर का हिस्सा था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।